सूविचार

कभी रूकना मत, क्योंकि जीतने वाले कभी हार नहीं मानते।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 103 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, मंगलवार 08 जुलाई 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

20 हजार से अधिक रोजगार का होगा सृजन

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

» लुधियाना और पंजाब के निवेशकों को मध्यप्रदेश में किया आमंत्रित » वन-टू-वन चर्चा में 15 से अधिक उद्योगपतियों से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े

बिछाकर आपका स्वागत करेगी, आपकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग-धंधे लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक भूमि, बिजली, पानी, कुशल कार्यशक्ति सब उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब दोनों भाइयों की तरह हैं। अनाज के उत्पादन में पंजाब बड़ा और मध्यप्रदेश छोटा भाई है। अब दोनों भाई मिलकर देश और मध्यप्रदेश का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर है। पंजाब वीरों की धरती है, इसकी अलग ही पहचान है। यह गुरु परंपरा की अद्भुत धरती है। मध्यप्रदेश के इंदौर की पहचान स्वच्छता में है, तो लुधियाना की पहचान उद्योगों से है। हम उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करने आए हैं। आप खुले दिल से और बिना किसी हिचक के निवेश करें, सरकार जितनी हो सकेगी, आपकी उतनी मदद करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत बदलते दौर में सिरमौर बन रहा है। उद्योगों से कई परिवारों का उदर-पोषण होता है और गरीबों के जीवन में आमदनी का उजाला आता है। यह एक पवित्र कार्य है। उद्योगपति अपने परिवार का पोषण करते हुए दूसरों का भी घर रौशन करते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब अमर शहीद भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान देकर देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोग यहां भी काम करते रहें और अपने कारोबार का विस्तार करते हुए एक-दो फैक्ट्री मध्यप्रदेश में भी लगाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों को दुनिया के सामने रखा। हमने उद्योगपतियों को कई सौगातें दी हैं।

टेक्सटाईल्स सेक्टर के इंडस्ट्रियल वर्कर्स की सैलरी में मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपए की अतिरिक्त मदद देगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्कूली बच्चों को साइकिलें बांटी जा रही हैं। साइकिलें मुख्यतः पंजाब में ही बनती हैं। यही साइकल मध्यप्रदेश में भी बन सकती हैं। उद्योगपति मध्यप्रदेश में साइकल बनाने की फैक्ट्री लगाएं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सोने की चिड़िया की पहचान रखता था।

संक्षिप्त समाचार

वन महोत्सव 2025 के तहत तेलंगाना में लगाए जाएंगे 18 करोड़ पौधे : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ने वन महोत्सव 2025 के तहत 18 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में वन महोत्सव 2025 के कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को याद किया और लोगों से अपने बच्चों के नाम पर भी पौधे लगाने का आग्रह किया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार रेड्डी ने कहा, यदि हम प्रकृति का ध्यान रखेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि यदि लोग पेड़ों का पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह करें, तो तेलंगाना पूर्णतः हरित क्षेत्र बन सकता है। रेड्डी ने कहा कि जनता की सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की ओर से 60 टिकट महिलाओं को दिए जाएंगे, ताकि विधान मंडलों में महिलाओं के आरक्षण को लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले विधानसभा चुनावों में पार्टी की ओर से 60 टिकट महिलाओं को दिए जाएं।

5 हजार स्कूलों के विलय को हाईकोर्ट की हरी झंडी, 51 बच्चों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसले में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य भर के 5,000 स्कूलों के विलय के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने सीतापुर के 51 बच्चों द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिन्होंने विलय प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी, उनका दावा था कि इससे उनकी शिक्षा प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की अगुवाई वाली एकल न्यायाधीश पीठ ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की योजना को बरकरार रखा, जिससे स्कूलों के विलय का रास्ता साफ हो गया। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि कम छात्रों वाले स्कूलों को बड़े संस्थानों में एकीकृत करने से शिक्षण का माहौल बाधित होगा। हालांकि, न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया और राज्य के फैसले के पक्ष में फैसला सुनाया। विलय योजना कम नामांकन संख्या वाले स्कूलों के कामकाज को अनुकूलित करने के लिए राज्य सरकार की व्यापक पहल का हिस्सा है। सरकार ने लगभग 5,000 स्कूलों की पहचान की है जहाँ छात्र संख्या काफी कम है, जिससे वे स्वतंत्र रूप से संचालित करने में अक्षम हैं। योजना के अनुसार, इन स्कूलों को आस-पास के उन स्कूलों में विलय कर दिया जाएगा जहाँ नामांकन संख्या अधिक है, जबकि कम उपयोग वाले परिसरों को बंद कर दिया जाएगा।

मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी? राहुल गांधी फिर साधा केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर जेन स्ट्रीट पर सेबी की विस्फोटक कार्रवाई को लेकर तीखा हमला किया, जिसने भारत के 6.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजी बाजार के बुनियादी ढांचे में भूचाल ला दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैंने 2024 में साफ कहा था - F&O बाज़ार बड़े खिलाड़ियों का खेल बन चुका है, और छोटे निवेशकों की जेब लगातार कट रही है। अब SEBI खुद मान रहा है कि जेन स्ट्रीट ने हज़ारों करोड़ की चालाकी की। SEBI इतने समय तक चुप क्यों रही? राहुल गांधी ने सवाल किया कि मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी? और कितने बड़े शार्क अब भी रिटेल इन्वेस्टर्स को शॉर्ट कर रहे हैं? हर मामले में साफ दिख रहा है - मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है, और आम निवेशकों को बर्बादी की कगार पर धकेल दिया है।

तेजस्वी यादव ने आयोग पर उठाए सवाल, हमारे सवालों का स्पष्ट जवाब अभी तक नहीं मिला

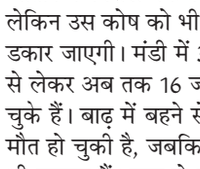

पटना। बिहार में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस लेकर सभी राजनीतिक दल सक्रिय मोड में हैं। इस बीच बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर सवाल खड़े किए हैं। तेजस्वी ने प्रेसवार्ता कर कहा कि हम पांच जुलाई को चुनाव आयोग गए थे और वहां अपनी बात रखी। लेकिन चिंता इसकी है कि हमें हमारे सवालों का स्पष्ट जवाब अभी तक नहीं मिला। हमारा प्रतिनिधिमंडल दिल्ली और बिहार में चुनाव आयोग के पास गया था। पटना का चुनाव आयोग निर्णय लेने योग्य नहीं है। इसलिए हमारे सवालों को दिल्ली भेजा गया। राजद नेता तेजस्वी ने कहा कि लेकिन विपक्ष के सवाल पर अभी तक आयोग द्वारा स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। आयोग ने वोटर्स से जो 11 दस्तावेज मांगे हैं, वे उनके पास नहीं है। उनके पास आधार कार्ड है, राशन कार्ड है, मनरेगा कार्ड है।

ब्रिक्स में एआई पर चर्चा, पीएम बोले-

अगले साल भारत में एआई इम्पैक्ट समिट, नसीहत भी दी

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमें जिम्मेदार AI के लिए मिलकर काम करना होगा। सभी देशों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए हम अगले साल भारत में AI इम्पैक्ट समिट आयोजित करने जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आप सभी इस समिट को सफल बनाने में सक्रिय रूप से योगदान देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'AI फॉर ऑल के मंत्र पर काम करते हुए, आज भारत कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, शासन जैसे क्षेत्रों में AI का सक्रिय रूप से और व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है। हमारा मानना है कि AI गवर्नेंस में चिंताओं का

समाधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने को समान प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसे वैश्विक मानक बनाने की जरूरत है जो डिजिटल कंटेंट की प्रामाणिकता को सत्यापित कर सकें, ताकि कंटेंट के स्रोत का पता चल सके, पारदर्शिता बनी रहे और दुरुपयोग को रोका जा सके। ब्रिक्स के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुपक्षवाद, आर्थिक-वित्तीय मामलों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मजबूत करने के विषय पर आयोजित सत्र के दौरान बड़ी ताकतों को नसीहत भी दी।

बिहार में करेंगे लालू की मदद : अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को पूरा समर्थन देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में हम लालू यादव और तेजस्वी यादव के साथ हैं। इसके साथ ही अखिलेश ने नीतीश कुमार और पर तंज भी कसा है। अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ेंगे लेकिन सीएम नहीं बनाएंगे। हम तो नीतीश कुमार को पीएम बनाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी फायदे के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाने का कोई इरादा नहीं है। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नीतीश कुमार जी के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वे उन्हें फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पहुंची कंगना पर भड़क उठी महिला, अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या

मंडी। हिमाचल के मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सराज पहुंचीं भाजपा सांसद व बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट पर एक महिला भड़क उठी। महिला ने कंगना से कहा कि अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या। इस पर कंगना ने महिला से कहा कि सारे लोग कंगना-कंगना बोलते रहते हैं। मेरे पास कौन सी कोई कैबिनेट है? मेरे पास मेरे 2 भाई हैं, जो मेरे साथ चलते रहते हैं। न ही मेरे पास कोई राहत कोष आता। मैं स्पेशल पैकेज लेकर आऊंगी, लेकिन उस कोष को भी कांग्रेस सरकार डकार जाएगी। मंडी में 30 जून की रात से लेकर अब तक 16 जगह बादल फट चुके हैं। बाढ़ में बहने से 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पहली बार मंडी से सांसद कंगना प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं।

इतना ही नहीं कंगना अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया पर ट्रोल हुई थीं। कंगना ने एक्स पर लिखा था कि मैं मंडी क्षेत्र का दौरा कर रही थी। तभी मेरी गाड़ी पर पत्थर आकर गिरा। यह टाइम हिमाचल में यात्रा के लिए सही नहीं है। इसके बाद लोगों ने मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा न करने पर कंगना सवाल उठाने शुरू कर दिए। इस पर जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा, मुझे मालूम नहीं है। मैं इस बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता।

निशिकांत दुबे के बयान पर बिफरे उद्धव-आदित्य ठाकरे, कहा- फूट डालो और राज करो भाजपा की चाल

मुंबई। महाराष्ट्र में इन दिनों भाषा विवाद को लेकर राजनीति चरम पर है। इस कड़ी में जहां 20 साल बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर साथ दिखे, वहीं अन्य राजनीतिक दलों ने इस पर अपनी स्थिति व्यक्त की है। इस विवाद के बीच मुंबई समेत कई जगहों पर हिंदी भाषा बोलने वालों की पिटाई का मामला भी सामने आया, जिसे लेकर तमाम राजनेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर कई पोस्ट कर अपना गुस्सा जाहिर किया है।

निशिकांत दुबे ने एक पोस्ट में लिखा- मुम्बई में शिवसेना

उद्धव,मनसे राज ठाकरे और एनसीपी पवार साहब में और कश्मीर से कश्मीरी हिंदुओं को भगाने वाले सलाउद्दीन,मौलाना मसूद अजहर तथा मुम्बई में हिंदुओं के उपर अत्याचार करने वाले दाउद इब्राहिम में क्या फर्क है? एक ने हिंदू होने के नाते अत्याचार किया दूसरे हिंदी के कारण अत्याचार कर रहे हैं? वहीं उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा- हिंदी भाषी लोगों को मुम्बई में मारने वाले यदि हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू भाषियों को मार कर दिखाओ । अपने घर में तो कुत्ता भी शेर होता है? कौन कुत्ता कौन शेर खुद ही फैसला कर लो इसके बाद शिवसेना यूबीटी के नेताओं की तरफ से इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी गई है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन कुछ लोग मराठी लोगों की तुलना पहलगाम के आतंकवादियों से कर रहे हैं- असली मराठी विरोधी वही लोग हैं। ये लोग ना तो मराठियों का भला चाहते हैं और ना ही हिंदुओं को बचा सकते हैं।

बारिश

राजस्थान के सीकर में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरा

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी, बद्रीनाथ हाईवे बंद, शहडोल में 4 इंच बारिश

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश का दौर जारी है। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी इलाके में पुल बहने से आसपास के इलाकों का सड़क संपर्क टूट गया है। वहीं, श्रीनगर में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। वहीं मध्य प्रदेश के शहडोल में बीते 24 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। आधी रात 3 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया। यहां अस्पताल में पानी भर जाने पर मरीजों को शिफ्ट करना पड़ा। रेलवे ट्रैक डूब जाने से 4 घंटे तक ट्रेन रूट बंद रहा। राजस्थान में भी तेज बारिश का दौर जारी

है। झुंझुनूं में बाघोली नदी के तेज बहाव के चलते नेशनल हाईवे-52 को जोड़ने वाली सड़क धंसकर पानी में बह गई। राजस्थान के सीकर में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। नाले उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 6 जुलाई के बीच बादल फटने की 19 घटनाएं हुईं। 23 बार बाढ़ और 19 बार लैंडस्लाइड हुए। 269 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं नोएडा में रातभर हुई तेज बारिश के बाद सर्विस रोड का एक हिस्सा धंस गया। यह घटना नोएडा सेक्टर-100 की है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और सुरक्षा के लिए इलाके को घेर लिया गया है। गाड़ियों की आवाजाही फिलहाल रोकी गई है।

स्थानीय लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है। प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर है। नैनी का अरैल घाट डूब चुका है। घाट स्थित बारादरी पूरी तरह जलमग्न हो चुकी है। निचली बारादरी में बने विश्राम गृह की केवल छत दिखाई दे रही है। प्रयागराज में अभी गंगा का जलस्तर करीब 78 मीटर और यमुना 75.88 मीटर तक रिकॉर्ड किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के विचार को किया है क्रियान्वित: मुख्यमंत्री

सच्चे राष्ट्रभक्त और लोकतंत्र सेनानी थे डॉ. मुखर्जी ,डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया ,एक देश एक विधान कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के योगदान का किया स्मरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे सच्चे नेता थे, जिन्होंने लोकतंत्र सेनानी के रूप में कोलकाता और पश्चिम बंगाल को बचाने का कार्य भी किया। उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम की हिंसा का उत्तर आपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। स्वतंत्रता के बाद सर्वप्रथम डॉ. मुखर्जी ने ऐसी व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के जीवन लक्ष्य को पूर्ण करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस तरह डॉ. मुखर्जी के संकल्प एक निशान, एक विधान और एक प्रधान को साकार करने का कार्य किया गया है। पूरे राष्ट्र ने एक स्वर से कश्मीर से धारा 370 हटाने का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वी जयंती के अवसर पर में एक देश एक विधान विषय पर आयोजित वैचारिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. मुखर्जी के विचार को प्रधानमंत्री मोदी ने किया क्रियान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि भारत की एकता से कोई समझौता नहीं बल्कि संकल्प है। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

डॉ. मुखर्जी ने बताया राष्ट्र के लिए कैसी हो हमारी दृष्टि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवासियों को यह बताया कि राष्ट्र के लिए हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। आज भारत दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के समय हुई त्रुटियों को याद रखने की आवश्यकता है। डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरूषों के योगदान का इसलिए निरंतर स्मरण करना जरूरी है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी राष्ट्र के शत्रुओं को उनके घर में घुसकर मारने का हौसला रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम के लिए आयोजक और प्रतिभागियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री राजीव कुमार पांडे ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का कश्मीर के मुद्दे पर जो योगदान है उसके बारे में अक्सर चर्चा होती है। डॉ. मुखर्जी का एक दूसरा योगदान भी इतना ही बड़ा है जिस पर कम चर्चा होती है, वह है कोलकाता और पश्चिम बंगाल के संबंध में। कोलकाता भारत का अभिन्न हिस्सा है। पूर्वोत्तर के गलियारे से क्षेत्र के सभी राज्य परस्पर जुड़े हैं। इस इलाके के अस्तित्व को बनाए रखने से पाकिस्तान का भूमि संपर्क नहीं हो सका। आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है। डॉ. मुखर्जी ने इन प्राथमिकताओं और राष्ट्र हित से जुड़े अति-महत्वपूर्ण विषय को समय रहते समझा और आवश्यक संघर्ष किया। इस तरह डॉ. मुखर्जी का योगदान ऐतिहासिक है। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि धरती पर बमुश्किल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसा महापुरूष पैदा होता है। डॉ. मुखर्जी नेहरू जी के मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे। नेहरू जी से मतभेदों के चलते डॉ. मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रविंद्र यति आदि उपस्थित थे। प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने आभार व्यक्त किया।

प्रदेश के 50 प्रतिशत ग्रामों को जोड़ेंगे दुग्ध नेटवर्क से: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर किसानों और पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 50 प्रतिशत गांवों को दुग्ध नेटवर्क में लाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। नई 381 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कर 9500 दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास में पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के लिए डेयरी विकास योजना को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक संशोधन कर अधिक लाभकारी बनाने के निर्देश दिए थे। अब राज्य में दुग्ध उत्पादन की 72 प्रतिशत संभावित क्षमता को कवर करने और बाजार पहुंच को 15प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दुग्ध संग्रहण बढ़ाने, दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से देशी नस्ल के पशुओं के लिए मॉडल फार्म विकसित करने, सांची ब्रांड की लोकप्रियता बढ़ाने, भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत हीफर रियरिंग सेंटर की स्थापना, दुग्ध उत्पादक किसानों को खरीदे गए दूध की कीमत का समय पर भुगतान, डिजीटाइजेशन वर्क की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दुग्ध संघों ने बढ़ाई है ढाई से छह रुपए प्रति लीटर राशि- इस अवसर पर बताया गया कि प्रदेश के दुग्ध संघों में न सिर्फ दुग्ध संग्रहण बढ़ रहा है, बल्कि किसानों और दुग्ध उत्पादकों का हित भी सुनिश्चित हो रहा है। दुग्ध संघों में दुग्ध मूल्यों में ढाई रुपए से लेकर छह रुपए तक प्रति लीटर वृद्धि का कार्य किया है। प्रदेश में दो दुग्ध संघों जबलपुर और ग्वालियर में दुग्ध संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जबलपुर और ग्वालियर दुग्ध संघ को दुग्ध उत्पादकों के लंबित भुगतान के लिए दो-दो करोड़ रुपए की कार्यशील पूंजी भी उपलब्ध करवाई गई है।

राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन उज्जैन में 10 जुलाई को होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव होंगे कार्यक्रम में शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राष्ट्रीय मछुआ दिवस पर 10 जुलाई को राज्य स्तरीय निषाद राज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर उज्जैन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 22.65 करोड़ रूपये की लागत के 453 स्मार्ट फिश पार्लर, 40 करोड रूपये लागत से बन रहे अत्याधुनिक अन्डर वाटर टनल सहित एक्वापार्क और 91.80 करोड़ रूपये की लागत से इंदिरा सागर जलाशय में 3060 केजेस के माध्यम से मत्स्य उत्पादन से वृद्धि एवं रोजगार सृजन का वर्चुअली भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 430 मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स के स्वीकृति पत्र एवं 100 यूनिटस का वितरण, 396 केज के स्वीकृति पत्र का प्रदाय, फीडमील के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का प्रदाय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे मछुआरों एवं मत्स्य सहकारी समितियों को पुरस्कार वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मत्स्य महासंघ के मछुआरों को 9.63 करोड रूपये के डेफेरड वेजस का सिंगल क्लिक से अतंरण करने के साथ ही रायल्टी चेक प्रदाय करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू

भोपाल। प्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। आवेदन एवं नामांकन वेब पोर्टल पर 13 जुलाई तक स्वीकार किये जायेंगे। प्रदेश में जिन शिक्षकों द्वारा 13 जुलाई तक नामांकन कर दिया जायेगा उनके अभिलेख, ऑडियो, वीडियो 15 जुलाई तक पोर्टल पर अपलोड किये जा सकेंगे।

जिला स्तरीय चयन समिति- शिक्षक द्वारा किये गये नामांकन की प्रथम स्तर पर स्क्रूटनी के लिये जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। समिति में राज्य शासन का प्रतिनिधित्व जिले के डाइट प्राचार्य और कलेक्टर द्वारा नामांकित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सदस्य के रूप में करेंगे।

राज्य स्तरीय चयन समिति

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सम्मान के लिये राज्य स्तर पर भी समिति होगी। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में केन्द्र सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ आयुक्त लोक शिक्षण सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। राज्य चयन समिति द्वारा विशेष श्रेणी सहित अधिकतम 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अग्रेषित की जा सकेंगी।

समय सारणी

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की ऑनलाइन प्रक्रिया के निष्पादन की समय सारणी निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन 13 जुलाई 2025 तक स्वीकार किये जायेंगे। शिक्षक द्वारा अंतिम रूप से नामांकन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई तय की गई है। जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा राज्य चयन समिति के लिये ऑनलाइन पोर्टल पर 3 अनुशंसाओं को 16 जुलाई से 25 जुलाई तक भेजा जा सकेगा। राज्य चयन समिति द्वारा नेशनल ज्यूरी को शॉर्ट-लिस्टेड 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार को ऑनलाइन 26 जुलाई से 4 अगस्त तक भेजी जा सकेंगी। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के बेव पोर्टल से प्राप्त किये जा सकते हैं।

मांडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही पर संस्था प्रभारी चिकित्सक निलंबित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को रेबीज सहित अन्य आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि धार जिले के मांडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रेबीज वैक्सीन नहीं मिलने की घटना पर संज्ञान लिया गया। प्रकरण की जांच कराई गई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि डॉ. सुब्रत दास की धर्मपत्नी को रेबीज वैक्सीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही उपलब्ध कराई गई थी। तथ्यों के बावजूद संस्था प्रभारी डॉ. चाँदनी डाबरोलिया द्वारा अनावश्यक देरी एवं लापरवाही बरती गई, जिसके कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इस संबंध में समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने जिलों में रेबीज वैक्सीन सहित सभी आवश्यक दवाओं की नियमित समीक्षा करें। किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में दवाओं की कमी नहीं हो, समय से योजना अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया गंजबासोदा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

भोपाल । भोपाल मंडल में स्थित गंजबासोदा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जारी पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण आज माननीय केंद्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर का भ्रमण कर यात्री सुविधाओं, निर्माणाधीन संरचनाओं तथा आधुनिकीकृत यात्री प्रतीक्षालयों की स्थिति का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने यात्रियों के हित में कार्यों की गति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्टेशन का पुनर्विकास कार्य न केवल सुविधाजनक बल्कि सौंदर्यात्मक रूप से भी प्रभावशाली होना चाहिए ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके। साथ ही, उन्होंने स्टेशन परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं दिव्यांगजन अनुकूल बनाने के निर्देश दिए।

श्री चौहान ने निर्माण कार्यों की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गंजबासोदा स्टेशन का कायाकल्प होने से पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यों की प्रगति में पारदर्शिता बनाए रखते हुए समयबद्ध रूप से निर्माण पूर्ण किया जाए।

इस अवसर पर माननीय प्रभारी मंत्री विदिशा श्री लखन पटेल, माननीय विधायक गंजबासोदा श्री हरी सिंह रघुवंशी, माननीय विधायक विदिशा श्री भूपेश टंडन, माननीय विधायक कुरवाई श्री हरी सप्रे सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं रेलवे की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया उपस्थित रहे। अपर मंडल रेल प्रबंधक ने माननीय मंत्री को कार्य की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि स्टेशन पर आधुनिक टिकट काउंटर, लिफ्ट, एस्केलेटर, विस्तारित फुट ओवर ब्रिज, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा आकर्षक फसाड तैयार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान आम जनता में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। कई यात्रियों ने मंत्री जी से मिलकर स्टेशन विकास को लेकर अपने अनुभव साझा किए। माननीय मंत्री की यह यात्रा स्टेशन पुनर्विकास को नई दिशा प्रदान करने वाली साबित हुई, जिससे संबंधित अधिकारियों को प्रेरणा मिली और स्थानीय नागरिकों में रेलवे के प्रति विश्वास और सुदृढ़ हुआ।

कैप्टन विक्रम बत्रा की पुण्यतिथि

ऐसा नाम है जो शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है

भोपाल। कैप्टन विक्रम बत्रा, एक ऐसा नाम है जो शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। कारगिल युद्ध के दौरान दुर्गम चोटियों पर विजय पाने वाले इस जांबाज योद्धा ने न सिर्फ दुश्मनों को धूल चटाई, बल्कि अपने अदम्य साहस और नेतृत्व से देश के करोड़ों दिलों को छू लिया। हिमाचल की वादियों से उठकर तिरंगे की शान के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शेरशाह ने साबित कर दिया कि वतन से बढ़कर कुछ नहीं। 7 जुलाई को उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और इतिहास में अमर हो गए। कैप्टन विक्रम बत्रा का जन्म 09 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर के पास स्थित घुग्गर गांव में एक पंजाबी-खत्री परिवार में हुआ था। साल 1999 में जब कारगिल युद्ध छिड़ा, उस समय विक्रम बत्रा भारतीय सेना की 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स में तैनात थे। पॉइंट 5140 पर विजय के बाद 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स को अगला लक्ष्य पॉइंट 4875 को कब्जे में लेना था। 5140 पॉइंट पर जब कब्जा हुआ, कैप्टन बत्रा ने रेडियो पर एक मैसेज भेजा था, %यह दिल मांगे मोर।% इस मैसेज में आगे की पूरी रणनीति छिपी थी। यहां से अगले टारगेट पॉइंट 4875 के लिए ऑपरेशन शुरू हुआ।

अद्भुत साहस, रणनीति और नेतृत्व

कैप्टन विक्रम बत्रा और उनकी कंपनी को दुर्गम इलाके में दुश्मन की मजबूत चौकियों को साफ कर पॉइंट 4875 तक पहुंचने का काम सौंपा गया। विक्रम बत्रा ने अद्भुत साहस, रणनीति और नेतृत्व का परिचय देते हुए जिम्मेदारी को स्वीकार किया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने आमने-सामने की मुठभेड़ में 5 दुश्मन सैनिकों को बेहद नजदीक से मार गिराया, जबकि वो खुद पहले से घायल थे। उन्होंने अगले दुश्मन ठिकाने की ओर बढ़ते हुए हैंड ग्रेनेड फेंके और वहां से भी दुश्मनों को खदेड़ दिया।

पॉइंट 4875 पर झंडा फहराया

मुश्किल हालातों में भारतीय फौज ने पॉइंट 4875 पर झंडा फहरा दिया। हालांकि इस ऑपरेशन में विक्रम बत्रा शहीद हो गए। इन सभी अभियानों में कैप्टन विक्रम बत्रा का अदम्य साहस, नेतृत्व और बलिदान अमिट छाप छोड़ गया। मरणोपरांत भारत सरकार ने कैप्टन विक्रम बत्रा को भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया। उनकी याद में पॉइंट 4875 को भी बत्रा टॉप नाम दिया गया। (साभार)

विक्रम बत्रा को सादर नमन

मुख्यमंत्री की मंशानुरूप भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी

श्रावण की प्रत्येक सवारी की होगी अलग-अलग थीम

पहली सवारी की थीम होगी वैदिक उद्घोष , श्रीमहाकाल महालोक में सावन माह में प्रतिदिन शाम को होगी सावन की सांस्कृतिक संध्या

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप इस बार भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी। आगामी श्रावण-भादो-मास में भगवान श्री महाकालेश्वर की निकलने वाली सवारियों की अलग-अलग थीम होगी और पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर होगी। सावन माह में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होगी।

भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रथम सवारी 14 जुलाई, द्वितीय सवारी 21 जुलाई, तृतीय सवारी 28 जुलाई, चतुर्थ सवारी 4 अगस्त, पंचम सवारी 11 अगस्त और राजसी सवारी 18 अगस्त को निकाली जाएगी। प्रथम सवारी में पालकी में श्री मनमहेश, द्वितीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश, तृतीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश और गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव, चतुर्थ सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव और नंदी रथ पर श्री उमा महेश, पांचवी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश और रथ पर श्री होलकर स्टेट और राजसी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर ,हाथी पर श्री मन महेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश, रथ पर श्री होलकर स्टेट और रथ पर श्री सप्तधान मुखारविंद के रूप में भगवान विराजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश अनुसार इस बार सवारियों में विशेष आयोजन किए जाएंगे। प्रत्येक सवारी की थीम अलग-अलग होगी। प्रथम सवारी वैदिक उद्घोष थीम पर निकाली जाएगी। इस दौरान रामघाट और दत्त अखाड़ा पर बटुकों द्वारा भव्य वैदिक उद्घोष किया जाएगा और बटुकों द्वारा सवारी मार्ग में वैदिक उद्घोष किया जायेगा। इसी के साथ विभिन्न जनजातियों के समूहों द्वारा भगवान श्री महाकाल की सवारी में मनमोहक प्रस्तुती दी जायेगी।

द्वितीय सवारी में लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसमें लोक नृत्य मटकी नृत्य मध्यप्रदेश, गणगौर नृत्य राजस्थान, बिहू नृत्य आसाम, भवाई नृत्य गुजरात, पुलियाट्म या टाइगर नृत्य कर्नाटक की प्रस्तुति रामघाट पर दी जाएगी। भगवान महाकालेश्वर की तीसरी सवारी में पुलिस बैंड, आर्मी बैंड, होमगार्ड बैंड और निजी बैंड के द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी।भगवान महाकालेश्वर की चतुर्थ सवारी में पर्यटन की थीम पर मांडू के महल, सांची के स्तूप, खजुराहो के शिव मंदिर, देवी अहिल्या किला महेश्वर, भीमबेटका, ग्वालियर का किला, उदयगिरि की गुफाएं, विदिशा बाग की गुफाएं, धार की झांकियां निकाली जाएंगी। भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी में धार्मिक थीम रहेगी जिसमें श्री कृष्ण पाथेय और प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थलों व मंदिरों की झांकी निकाली जाएंगी। साथ ही सवारियों में विभिन्न जिलों के पृथक-पृथक जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। राजसी सवारी में 70 से अधिक भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण महोत्सव हर शनिवार को शाम 7:00 बजे से त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय के सभा कक्ष में आयोजित किया जाएगा।

श्री महाकाल महालोक में सावन माह में प्रतिदिन शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। श्रावण महोत्सव में इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त 13 जुलाई से लेकर 16 अगस्त तक 23 दिवसों में (श्रावण महोत्सव के दिन, सवारी के दिन, नाग पंचमी और 15 अगस्त को छोड़कर) श्री महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या नाम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनकी प्रस्तुती श्री महाकाल महालोक परिसर में सप्त ऋषियों की मूर्ति के समीप शाम को 6 बजे से 8 बजे तक दी जाएगी, जिसमें देशभर से 47 कलाकार समूह प्रस्तुति देंगे। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा सवारी मार्ग में हर 200-200 मीटर पर पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा पीए सिस्टम और कैमरे भी मंदिर समिति के द्वारा लगाये जाएंगे।

गुरुपूर्णिमा पर्व पर होगा शिवलिंग का निर्माण-नितिन राय

छिंदवाड़ा। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शिवसेना द्वारा गुरू पूर्णिमा पर्व पर पार्थेश्वर शिवलिंग का निर्माण किया जायेगा। तत्पश्चात् शिवलिंग की पूजन पाठ के साथ सदुरूदेव श्री 108 गोवर्धन जी पटेल की चरण पूजन करते हुये गुरूपूर्णिमा उत्सव मनाया जायेगा। पार्थेश्वर शिवलिंग का विर्सजन माँ नर्मदा के तट पर होगा। धर्मप्रेमी जनता जनार्दन से शिवसेना नेता नितिन राय ने गुरूपूर्णिमा पर्व में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष बने राजेश साहू

अमरवाड़ा। भारतीय किसान संघ अमरवाड़ा अभ्यास वर्ग का हुआ समापन एवं अमरवाड़ा तहसील नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन जिसमें तहसील अध्यक्ष राजेश कुमार साहू तहसील मंत्री निलेश जांधेला को दायित्व सोपा गया इस अवसर पर संभाग संगठन

मंत्री पूरनलाल जी शर्मा भिंड स्वदेश कोठारी प्रांत मंत्री अनिरुद्ध पटेल संभागीय अध्यक्ष मेरसिंह चौधरी प्रांत मंत्री डॉ रमेश जी प्रांतीय सदस्य संतोष राय जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर विष्णु पटेल कोषाध्यक्ष नरसिंहपुर रामराव लाडे जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा रामभरोश पटेल जिला उपाध्यक्ष छत्रसाल राठौर जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दिनेश पटेल जिला कार्यकारिणी सदस्य पुनाराम वर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य और तहसील इकाई के भारतीय किसान संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं की सुविधा की दृष्टि से बहुत ही उपयोगी है स्मार्ट मीटर

सीहोर। बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा की दृष्टि से मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि घरेलू स्मार्ट मीटर के अनेक फायदे हैं। यह घरेलू स्मार्ट मीटर ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। उपभोक्ता अपने एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। स्मार्ट मीटर से ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बनाया जा सके।

जीतिका को दिल्ली में डॉक्टर की मानक उपाधि से सम्मानित किया गया

छिंदवाड़ा। अनुष्का एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्षा जीतिका विश्वकर्मा को दिल्ली में डॉक्टर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया, यह बहुत ही गौरव की बात है कि छिंदवाड़ा जिले से श्रीमती जीतिका विश्वकर्मा जी को दिल्ली में सम्मान मिला उन्होंने अपने जीवन काल में कई वर्षों से अनेक सामाजिक क्षेत्र में पूर्ण लगन से महिला सम्मान महिला सशक्तिकरण महिला आत्मनिर्भरता महिला उत्पीड़न घरेलू हिंसा आदि के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए महिलाओं को एक नई दिशा प्रदान की है, साथी परिवार परामर्श केंद्र की अध्यक्ष होने के नाते केंद्र में अनेक प्रकरणों की सुनवाई करते हुए अधिक से अधिक परिवारों में पारिवारिक विवादों को समाप्त करते हुए परिवारों में खुशियां स्थापित की हैं परिणाम स्वरुप श्रीमती गीतिका विश्वकर्मा को अनेक मंचों पर सम्मानित भी किया गया है इसी श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय स्तर की विश्व संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण आयोग दिल्ली द्वारा उन्हें डॉक्टरेट की मानव उपाधि से दिल्ली में सम्मानित किया गया। साथ ही गोल्ड मोमेंटो वह इंटरनेशनल सदस्य का आई कार्ड प्राप्त हुआ सम्मान समारोह में पूरे भारत से आए अनेक क्षेत्र में अपने योगदान के लिए समाज के लिए किए गए कार्य के लिए अनेक लोगों को सम्मानित किया गया इस सम्मान समारोह में हमारे देश के जल थल और वायु सेवा प्रमुख सिंदूर ऑपरेशन के प्रमुख कमांडर विजय शंकर बावला ग्रुप कैप्टन सुरेश कुमार कर्नल अशोक कॉल करनाल वेद प्रकाश भार्गव स्वामी कृष्णानंद चरण आनंद डॉ राकेश रंजन डी.आर. सप्तर्षी बोस व प्रसिद्ध अभिनेता बिंदु द्वारा सिंह के हस्त कमल से सम्मान प्राप्त हुआ व डॉक्टर जीतिका विश्वकर्मा ने सभी को धन्यवाद देते हुए अपने गृह जिले छिंदवाड़ा की समस्या को भी सभी के समक्ष रखा व सभी को धन्यवाद प्रेषित किया।

कुनबी समाज द्वारा आषाढ़ी एकादशी पर हरिनाम सप्ताह का आयोजन

छिंदवाड़ा। तिरोले कुनबी समाज द्वारा आषाढी एकादशी के पावन पर्व पर चंदनगाव स्थित समाज भवन में हरिनाम सप्ता का भव्य आयोजन किया गया जिसमें समाज के लगभग 25-30 भजन मंडलों ने भगवान विट्ठल रुक्मणी के संगीतमयी भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन पंजाबराव अवारे, देवराव ठाकरे, रामराव अवारे, सुरेश कराडे भगवंत राव जी कराडे के द्वारा किया गया तथा समाज के अध्यक्ष चंद्रभान देवरे जी द्वारा दही लाही की मटकी फोड़कर प्रसाद वितरण किया गया। इसके पश्चात समाज द्वारा भव्य दिंडी यात्रा निकाली गई जो विवेकानंद कालोनी के साँई मंदिर होते हुए गजानन महाराज के मंदिर में समाप्त हुई। समाज द्वारा आयोजित किये गये इस सफल कार्यक्रम के लिए समाज के अध्यक्ष चंद्रभान देवरे ने सभी सामाजिक बंधूओ ,मातृ शक्ति वरिष्ठ नागरिक संगठन, युवा संगठन एवं कार्य कारिणी के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षकों ने दी बैडमिंटन इतिहास की जानकारी

छिंदवाड़ा। जिला बैडमिंटन संघ द्वारा विश्व बैडमिंटन दिवस का आयोजन ओलिंपिक स्टेडियम हॉल में किया गया जिसमें बैडमिंटन के इतिहास की जानकारी एवं भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से खिलाड़ियों को समझाया गया मुख्य प्रशिक्षक जावेद खान ने सभी खिलाड़ियों को बताया कि बैडमिंटन खेलने से संपूर्ण शरीर का अभ्यास होता है तथा शरीर सदैव स्वस्थ रहता है उन्होंने बैडमिंटन खिलाड़ियों को विभिन्न सुझाव एवं नवीन नियमों से अवगत कराया आयोजन का संचालन कोच एवं सह सचिव श्री विनय सिंह चंदेल ने किया इस अवसर पर अक्षत शुक्ला , आकाश गोराई, अभिनव साहू, अश्वंत मार्को, पार्थ चौकसे, वैभव वाडिवा, विश्वजीत , महिमा यादव,लक्ष्मी मार्को, निष्ठा डेहरिया,तनिष्का विश्वकर्मा , अंकिता कुम्हरे, अक्षिता गौतम , संभवी सोनी , श्रीजा भांडुरिया, निमित सिंगोतिया , जगदीश देशमुख विशेष रूप से उपस्थित थे की

बच्चों ने किया एमपीईबी कॉलोनी के ओपन एरिया में पौधरोपण

फाउंडेशन ने बच्चों को समझाया पौधरोपण का महत्व

छिंदवाड़ा। स्वास्थ्य, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के लिए कृत संकल्पित वीर मेमोरियल फाउंडेशन ने रविवार 6 जून से अपने पर्यावरण संरक्षण अभियान की शुरुआत की। अभियान के पहले चरण में चंदनगांव स्थित एमपीईबी कॉलोनी के ओपन एरिया में पौधारोपण किया गया। यह पौधारोपण बच्चों के माध्यम से किया गया है। फाउंडेशन के सदस्यों, क्षेत्र वासियों, क्षेत्रीय पार्षद सहित क्षेत्र के बच्चों के साथ कॉलोनी के ओपन एरिया में पौधारोपण कर बच्चों को पौधारोपण के महत्व को समझाया गया।

फाउंडेशन के फाउंडर रविकांत अहिरवार ने बच्चों को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना आगे चलकर आपको एक बेहतर पर्यावरण प्रेमी बना सकता है। पर्यावरण हमें ऑक्सीजन उत्पादन,जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं शांति प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है अपने आस पास हरियाली का महत्व भी फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों को समझाया। पौधारोपण के दौरान सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रवासी और बच्चे मौजूद रहे। उन्होंने फाउंडेशन के द्वारा किए गए पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जा रहे हैं कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी कामता प्रसाद अहिरवार क्षेत्रीय पार्षद दिवाकर सदारंग, पूर्व पार्षद योगेश सदारंग, पर्यावरण प्रेमी प्रवीण नासेरी, नरेंद्र सोनारे ,विजय गावंडे, विक्रांत अहिरवार, रोशन सिगंनापुरे सहित फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण व पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

10 वीं, 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी होंगे पुरस्कृत

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व सांसद नकुलनाथ एवं प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चैहान के मार्ग निर्देशन पर जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चैधरी पुष्पेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10 एवं 12 वीं में जिन किसानों के बच्चे 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे उन्हे जिला किसान कांग्रेस प्रशस्ति पत्र, मेडल और शील्ड देकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में समारोह आयोजित कर पुरस्कृत करेगी। छात्र-छात्राओं के परिवार में माँ अथवा पिता का किसान होना जरूरी है, साथ ही अंकसूची की छायाप्रति भी आवश्यक होगी। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसानों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन देना और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिले एवं कृषि क्षेत्र में किसान परिवारों का गौरव बढ़ाने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसान कांग्रेस ने यह अभिनव पहल की है, उन्होनें यह भी कहा कि किसान परिवार के जो छात्र-छात्राएँ जिले में मेरिट में आते हैं तो उन्हे किसान कांग्रेस विशेष तौर से सम्मानित करेगी।

झाड़ फूंक में समय गंवाने से सर्पदंश के मरीज की जा सकती है जान

छिंदवाडा। बरसात की शुरुआत से ही जहरीले कीड़े एवं सांपो के निकलने से सर्प दंश की घटनाएं होती रहती हे ,जानकारी के आभाव मे लोग सर्प दंश के मरीज को अस्पताल ले जाने मे विलंब करते ओर घरेलू उपचार करने लगते हे,जब तक तबियत काफी बिगड़ चुकी होती है, जबकि स्वास्थ्य केन्द्रों में एन्टीस्नेक वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता है। सिविल डिफेन्स के मास्टर ट्रैनर श्यामल राव ने बताया की देश मे 300 प्रजाति के सर्प पाये जाते हे जिसमे से 70 प्रतिशत सर्प जहरीले नही होते, 30प्रतिशत जहरीले ओर 15प्रतिशत सर्प काटते हे जिसमे कोबरा, करेत, रसेल वाईपर, ओर सी स्नेक काफी जहरीला होता हे काटने पर तुरंत उपचार कराने अस्पताल जाना चाहिए।

बरसात के मौसम में सर्प-दंश व जहरीले जीव - जन्तुओं के काटने की घटनाएं अधिक होती हैं ओर घटना के पश्चात सर्पदंश के मरीज का ईलाज स्थानीय स्तर पर झाड़फूंक के जरिए करता ओर मरीज को जोखिम मे डाल देता हे बल्कि प्रभावित मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल अवश्य पहुंचायें ताकि मरीज का बिना समय गंवाए तत्काल उपचार शुरू हो सके।श्री राव ने बताया कि एन्टीस्नेक वेनम इंजेक्शन के लिए जिला अस्पताल, एवं जिले के समस्त पी एच सी .सी एच सी मे उपलब्ध होते है। सांप या जहरीले कीड़े के काटने पर एंटी वेनम इंजेक्शन के लिए अस्पताल मे पदस्थ चिकित्सक से संपर्क किया जा सकता है।

अब बच्चो को रास्तों की नहीं, सिर्फ पढ़ाई और आगे बढ़ने की चिंता होगी :-शरद

शहडोल। ये सिर्फ बसें नहीं हैं ये विद्यार्थियों के सपनों को स्कूल तक पहुँचाने का साधन हैं। अब उन्हें रास्तों की नहीं, सिर्फ पढ़ाई और आगे बढ़ने की चिंता होगी, ये सुविधाएं बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और भविष्य में उजाला लेकर आएगी। ये बाते मऊ सीएम राइज स्कूल द्वारा संचालित 9 नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान ब्योहारी विधायक शरद कोल ने कही। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, प्राचार्य सीएम राइज स्कूल मऊ सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विधायक ने 9 नई बसों को दिखाई हरी झंडी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर धार विधायक ने ग्रामीणों को पानी के टैंकर वितरित किए

ग्राम पंचायत ज्ञानपूरा, नाननखेड़ा और खरसोड़ा कों मिले टैंकर

धार। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर धार विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक श्रीमती नीना वर्मा ने रविवार को ग्राम पंचायत ज्ञानपूरा, नाननखेड़ा और खरसोड़ा कों पानी के टैंकर वितरित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया और कहा कि गाँव में नल-जल योजना से घरेलू जरूरतों के लिए पानी उपलब्ध तो है, लेकिन सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों जैसे विवाह, उत्सव, सामूहिक भोज आदि के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में टैंकर मिलने से गाँव वासियों की यह बड़ी समस्या दूर हो गई है। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष शुभम पाटीदार, स्थानीय कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। विधायक नीना वर्मा ने इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों की जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। पूर्व मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि यह पहल ग्रामीण विकास और जनता की समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान और उनके सपनों के भारत निर्माण में उनके योगदान को भी याद किया। और कहा की पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हमारे राष्ट्र और भाजपा के पितृ पुरुष हैं, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि ÷एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे÷ का नारा देकर डॉ. मुखर्जी ने भारत के एकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके विचार और बलिदान हम सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। विक्रम वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा करना ही डॉ. मुखर्जी के सपनों के 'एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में एक कदम है। इस सोच के साथ भाजपा सरकार हर वर्ग के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के लिए संकल्पित है। गांव के पुरुषो और महिलाओं ने विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल से सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाली पानी की समस्या का समाधान हो गया है, जिससे गाँव में खुशहाली का माहौल है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

भाजपा कार्यालय मे मनाई गयी डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती

शहडोल। अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती मनाई गयी। कार्यालय मे डॉ प्रसाद की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी।वही जयंती के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यालय परिसर में फलदार पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहाँ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका बलिदान आजाद भारत का पहला राजनीतिक बलिदान है जो देश के लिए हुआ। हम सभी को यह भी याद रखने की आवश्यकता है कि देश में आजादी के बाद जनसंघ के कार्यकर्ताओं के साथ कैसा व्यवहार इस देश मे होता था, बावजूद इसके कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्र के लिए समर्पित रह कर देश की सेवा की है हम सभी को भी प्रेरणा लेना चाहिए।

बारिश में ताजियों का जुलूस निकाला अखाड़े के कलाकारों ने दिखाए करतब

आष्टा। रविवार को शहर के अलीपुर में ताजियों का जुलूस निकाला गया जैसे ही अलीपुर चौराहे पर ताजियों का जुलूस पहुंचा तो बारिश शुरू हो गई रिमझिम बारिश में ही जुलूस निकाला और दोनों ही मंचों से स्वागत भी हुआ मीरपुरा से जुलूस शुरू हुआ जो की प्रमुख मार्गो से होता हुआ अलीपुर चौराहे पर पहुंचा जहां पर हिंदू उत्सव समिति , नगर पालिका के मंच से मोहर्रम कमेटी के सदस्यों का साफा बांध का स्वागत किया। बता दे की हजरत इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले 10 दिवसीय मोहर्रम पर्व के चलते रविवार को अलीपुर का ताजियों का जुलूस निकाला जो की अलीपुर चौराहे पर पहुंचा जिसमें बड़ी संख्या में ताजिए शामिल हुए पुलिस और प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे ताजियों का जुलूस देखने के लिए अलीपुर चौराहे पर बड़ी संख्या में समाजजन एकत्रित हुए थे ढोल तासो के साथ निकले ताजिए के जुलूस में बैंड बाजे वालों ने भी अपनी प्रस्तुति देते हुए कई कव्वालियां इमाम हुसैन की शान में पड़ी अखाड़े के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। शहर में सोमवार को प्रमुख मार्गो से ताजियों का जुलूस निकलेगा।

अलीपुर हिंदू उत्सव समिति ने किया स्वागत

हिंदु उत्सव समिति पार्वती नगर अलीपुर आष्टा द्वारा मोहर्रम जुलूस का स्वागत माता मंदिर जनपद चौराहा अलीपुर आष्टा पर किया गया । सभी मोहर्रम कमेटी अलीपुर के सदर नायब ,सदर एवं कमेटी सदस्यों का साफा बांधकर एवं सम्मान पट्टिका से हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष मनोहर लाल श्रीवास्तव, समिति पदाधिकारी एवं सदस्यों मनोहर लाल पांडिया पुरणमल नायक , रमेश परमार धनरुपमल जैन,कमलेश जैन,घनश्याम जांगड़ा , डॉ राज कुमार मालवीय पार्षद कन्हैयालाल गहलोत , कोमल चंद जैन मनोहर लाल वर्मा ,दिलीप सिंह वर्मा ,शंकर लाल वर्मा जुगल चित्तौडा अर्जुन सिंह ठाकुर सरपंच बाबूलाल जमालिया कमलेश सांवरिया ,कैलाश बंजारिया,? अर्जुनसिंह ठाकुर ,सुशील शर्मा ,रवि पंडिया,मनोज जैन अशोक पांचाल गोपाल पांचाल द्वारा स्वागत किया गया।

नगर पालिका के मंच से स्वागत किया

अलीपुर में निकले ताजियों के जुलूस का अलीपुर चौराहे पर सबसे पहले हिंदू उत्सव समिति के नेतृत्व में सभी का साफा बांधकर स्वागत किया उसके बाद नगर पालिका के मंच से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ,सीएमओ विनोद प्रजापति, पार्षद राजकुमार मालवीय, डॉ सलीम ,रवि शर्मा , धनरूपमल जैन, कमलेश जैन, प्यारे पटेल, कोमल जैन, पवन पहलवान आदि की उपस्थिति में सभी का स्वागत किया इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि समाज जन उपस्थित रहे।

जान जोखिम में डालकर पुल, पुलियों एवं रपटों को न करें पार

शहडोल। जिले में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है, जिले में क ई क्षेत्रों में जल भराव तथा पुल, पुलियों एवं रपटों में ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन प्रभावित हुआ है। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारी लगातार बाढ़ आपदा की निगरानी करने के साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। लगातार बारिश से कई स्थानों में पुल, पुलियों एवं रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपील की है कि बाढ़ की स्थिति में जान जोखिम में डालकर पुल पुलिया पार नहीं करें, बरसाती नालों में कभी बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है, जिले में क ई स्थानों में जहां पुल, पुलियों तथा रपटों में ऊपर से पानी बह रहा है, वहां बैरीकेडिंग तथा स्थानीय लोगों को लगाकर जानकारी देने का काम किया गया है, फिर भी हर व्यक्ति को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं निर्वहन करनी चाहिए। आपने बताया कि मौसम विभाग व्दारा आगे भी बारिश की चेतावनी दी गई है, जिला प्रशासन द्वारा स्वयं को सुरक्षित रहने के लिए बाढ़ आपदा से बचाव में सहयोग प्रदान करें।

डॉ मुखर्जी का संपूर्ण जीवन देश सेवा और जन सेवा के लिए समर्पित रहा : शेषराव यादव

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव चंदनगांव के वार्ड 36 में किया पौधारोपण

छिंदवाड़ा। भाजपा हर वर्ष 6 जुलाई को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाती है। इसी तारतम्य में रविवार को भाजपा ने जिले के सभी बूथों पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पौधारोपण कर जन्म जयंती मनाई।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने नगर के वार्ड क्रमांक 36 चन्दनगांव स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाटिका में छायादार पौधों का रोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व इन पेड़ों की तरह था। उन्होंने कहा कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने पूरे जीवनकाल सभी को कुछ ना कुछ दिया। उन्होंने कभी खुद कुछ लेने की इच्छा नहीं रखी। श्री यादव ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन देश सेवा और जन सेवा के लिए समर्पित रहा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी से जो देश सेवा और जन सेवा की सीख मिलती है उसे अपने जीवन में उतारना चाहिए।

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित हुआ मुख्य कार्यक्रम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जन्म जयंती का मुख्य कार्यक्रम जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था, डॉ.मुखर्जी ने शिक्षा कोलकाता विश्वविद्यालय से प्राप्त की और बाद में वे लंदन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने, मुखर्जी महान नेता, शिक्षाविद् और देशभक्त थे, भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की, डॉ.मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के लिए एक देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान की मांग की, आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके योगदान को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन एक आदर्श के रूप में याद किया जाता है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश पोफली, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र मिगलानी, सहसंयोजक दिवाकर सदारंग, संजीव रंगू यादव, माईकल पहाड़े, भाजपा नेता अजय सक्सेना, योगेश सदारंग, श्रीमती प्रीति बिसेन, श्रीमती अनिता शर्मा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, जिला मंत्री अरूण चंदेल, अलकेश लाम्बा, संदीप सिंह चौहान, दीपक कोल्हे, संदीप रघुवंशी, उपस्थित थे।

प्रदर्शनी का वाटिका में किया उद्घाटन

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती के अवसर पर वार्ड क्रमांक 36 भरता देव वार्ड डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी वाटिका मैं वृक्षारोपण किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के शुभंकर जिला अध्यक्ष शेषराव यादव उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण करने के साथ ही डॉक्टर श्यामा प्रसाद के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुआ इसके पश्चात डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन श्रद्धा सुमन अर्पित किए उपस्थित सभी सामान्य अतिथियों एवं वरिष्ठ जनों का का पार्षद दिवाकर सदारंग द्वारा पार्टी गमछा पहनकर सम्मान किया गया दिवाकर सदारंग द्वारा स्वागत भाषण दिया गया है उद्बोधन की श्रृंखला में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश पोफली ने मुखर्जी के जीवन और उनके विचारों को साझा किया।

संपादकीय

त्रिभाषा सूत्र या सियासी सूत्र? स्कूलों से संसद तक गरमाई भाषा बहस; जिसे सिखाने की बात हो, उसी पर बवाल क्यों?

देश में हर व्यक्ति को अपनी भाषा के चयन की आजादी है। जाहिर है कि कोई भी व्यक्ति उसी भाषा को तरजीह देगा, जो उसके लिए सहज होगी। हालांकि, बदलते वक्त के साथ जीवन में बढ़ती जरूरतों के हिसाब से एक से ज्यादा भाषाएं सीखने के महत्त्व को भी नकारा नहीं जा सकता। मगर, भाषा को लेकर विवाद की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? किसी एक भाषा के लिए दूसरी का विरोध करना कितना तर्कसंगत है, यह सवाल फिर से गूंजने लगा है। दक्षिण के कुछ राज्य हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ फिर मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के त्रिभाषा सूत्र का विरोध हो रहा है। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री ने साफ किया है कि हिंदी किसी भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। दरअसल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में राज्यों में तीन भाषाएं पढ़ाए जाने की बात कही गई है। इनमें भाषाओं का चयन राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद के आधार पर तय करने की बात कही गई है। बशर्ते तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। इस नीति के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने हाल में कक्षा एक से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का फैसला किया है। शिवसेना (उद्धव) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) इसका पुरजोर विरोध कर रही हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार का कहना है कि हिंदी किसी भी राज्य पर थोपी नहीं जानी चाहिए। यह बात सही है कि किसी भी राज्य, समाज या व्यक्ति को कोई एक भाषा अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है, लेकिन हिंदी के प्रति एक खास तरह के पूर्वाग्रह का क्या औचित्य हो सकता है? अगर कोई अपनी इच्छा से किसी भाषा का चयन करना चाहे तो उसे रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। विद्यालयों में भाषा के चयन का फैसला विद्यार्थियों की रुचि के आधार पर हो तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है।

कर्नाटक में कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाली गलती दोहरा रही है

-नीरज कुमार दुबे

कर्नाटक में कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह जीत केवल भाजपा को सत्ता से हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके साथ ही कांग्रेस ने यह संदेश भी दिया था कि यदि पार्टी एकजुट और ठोस नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे तो वह भाजपा को घेर सकती है। लेकिन अब, कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और लगातार सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मतभेदों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस यहां पर वही गलती दोहरा रही है जो उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में की थी?

हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच देखने को मिला था। ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गये थे जिससे कमलनाथ की सरकार बीच में ही गिर गयी थी। तीनों ही राज्यों में मतभेद पार्टी मंच के बजाय मीडिया में उछलते रहे, जिससे भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया। इसी तरह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है कि आलाकमान द्वारा समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाने के कारण टकराव बढ़ते जा रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि कर्नाटक में कांग्रेस की जोरदार जीत के बाद से ही यह स्पष्ट था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। समझौते के तहत सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन शिवकुमार खेमा इसे अंदर ही अंदर चुनौती दे रहा है। कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार की बात हो चाहे प्रशासनिक निर्णयों की बात हो या फिर रणनीतिक घोषणाओं की बात हो, सभी मामलों में दोनों नेताओं के बीच मतभेद लगातार उजागर होते रहते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी खुलेआम एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाज़ी कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक अक्सर उन्हें भावी मुख्यमंत्री कहकर प्रचारित करते हैं जो सिद्धारमैया समर्थकों को असहज करता है और इसके चलते दोनों ओर से बयानबाजी शुरू हो जाती है।

हम आपको बता दें कि देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और देखने में आ रहा है कि तीनों जगह पार्टी में कलह है। कर्नाटक के साथ ही हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं लेकिन कर्नाटक की कलह कुछ ज्यादा ही उजागर हो रही है। यही नहीं, कर्नाटक के विवाद को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा हाईकमान पर टालना दर्शाता है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है और सब कुछ ऊपर से ही मैनेज हो रहा है, तभी इस प्रकार का टकराव बना हुआ है। देखा जाये तो कांग्रेस इस समय देश में मुख्य विपक्षी पार्टी है इसलिए सवाल उठता है कि जब वह अपना घर ही नहीं संभाल पा रही तो देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका कैसे निभा पायेगी? कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है।

उधर, कर्नाटक में कांग्रेस के दोनों धुरंधर नेताओं के समीकरणों पर गौर करें तो आपको बता दें कि अत्यंत पिछड़े कुरबा समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बड़े जनाधार वाले नेता हैं। वह सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर हैं और उन्हें पता है कि चुनावों में भाजपा के जातिगत समीकरणों को कैसे बिगाड़ना है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वह पुराने कांग्रेसी हैं, गांधी परिवार के विश्वस्त हैं और धनबल, बाहुबल के खिलाड़ी हैं। कई विधायक भी उनके साथ हैं लेकिन हाईकमान हर बार सिद्धारमैया के सिर पर हाथ रख देता है इसलिए उन्होंने हाल ही में कहा भी है कि मेरे पास समर्थन करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। कर्नाटक में एक बात और देखने को मिल रही है कि यहां कांग्रेस की गलतियों की वजह से मामला पेचीदा होता जा रहा है। दरअसल असंतुष्टों पर ना तो कांग्रेस कोई कार्रवाई कर रही है ना ही उन्हें राजनीतिक रूप से कहीं समायोजित कर रही है। ऐसे में विधायकों का धैर्य जवाब दे रहा है। कर्नाटक में स्थिति यह है कि सत्तारुढ़ दल का हर विधायक मुख्यमंत्री बनना चाहता है इसलिए भी पार्टी के लिए हालात को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

इसके अलावा, कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटी योजनाएं चुनाव जिताने में तो सहायक रहीं, लेकिन अब उनके क्रियान्वयन में वित्तीय संकट और प्रशासनिक गड़बड़ियाँ भी सामने आ रही हैं। सत्तारुढ़ दल के विधायक ही कह रहे हैं कि हमें हमारे क्षेत्र के विकास के लिए फंड नहीं मिल रहा। इस सब स्थिति के बीच भाजपा चुपचाप कर्नाटक में खुद को मजबूत करने और सामाजिक समीकरणों को सहेजने में लगी है ताकि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपना प्रदर्शन सुधारा जा सके। बहरहाल, कर्नाटक की राजनीति में अक्सर नये नाटक होते रहते हैं इसलिए देखना होगा कि फिलहाल विधायकों से बातचीत के बाद कांग्रेस ने राज्य में %ऑल इज वेल% का जो दावा किया है वह स्थिति कब तक बनी रहती है।

भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना

-मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से ही भारत अपनी सेनाओं को आत्मनिर्भर, स्वदेशी तकनीक से समृद्ध, सुदृढ़ व सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना पड़े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है।

विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रों को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। ऐसी ही परिस्थितियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लस्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं संगठन अग्नि 5 मिसाइल के दो नये एडवांस प्रारूप विकसित कर रहा है जिसमें प्रथम प्रारूप बंकर ब्लस्टर वॉरहेड या विस्फोटक ले जाने वाला होगा जो जमीन के भीतर 80 से 100 मीटर तक जाकर दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करेगा जबकि दूसरा प्रारूप विस्फोटक ले जाने वाला होगा। ये दोनों ही प्रारूप दुश्मन के डिफेंस सिस्टम, न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ध्वस्त करके वापस लौट आएंगे। अग्नि -5 बंकर ब्लस्टर मिसाइल जमीन, सड़क और मोबाइल लांचर से दागी जाएगी। अग्नि-5 भारत की एक ऐसी मिसाइल है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक निशाना लगा सकती है। इसकी रेंज 5 से 7 हजार किमी तक हैं ये परमाणु हथियार भी ले जा सकती है। भारत का बंकर ब्लस्टर बम अमेरिकी बम से भी अधिक क्षमतावान बनाया जा रहा है।भारत की बंकर ब्लस्टर मिसाइल अमेरिकी बम से अधिक गहराई तक निशाना लगा सकती है। भारत को चीन और पाकिस्तान से पैदा हुए खतरे को देखते हुए ही इस प्रकार की मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है।

भारतीय नौसेना को मिला तमाल-इसी प्रकार ब्रहमोस मिसाइलों से लैस अब तक का सबसे घातक आधुनिक स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल अब भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है जिसके कारण अब समुद्र में भी भारत की ताकत बढ़ गई है। इस बहुददेशीय अतिआधुनिक युद्धपोत का जलावतरण रूस के केलिनिनग्राद में हुआ। नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल यह युद्धपोत हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तान से लगती सीमा पर निगरानी में भारत की सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। तमाल युद्धपोत विगत दो दशकों में रूस से प्राप्त क्रियाक श्रेणी के युद्धपोतों की श्रृंखला में आठवां युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती संस्करणों की तुलना में अधिक उन्नत है। इसमें लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें उन्नत 100 मिलीमी की तोप, मानक 30 मिलीमीटर गन क्लोज -इन हथियार प्रणाली के अलावा आधुनिक समय की प्रणाली अत्यधिक भार वाले टारपीडो तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी, रॉकेट और अनेक निगरानी एवं अग्नि नियंत्रण रडार तथा अन्य प्रणालियां शामिल हैं। युद्धपोत का नाम तमाल देवताओं के राजा इंद्र की पौराणिक तलवार से लिया गया है। इसकी मारक क्षमता भी उसी तरह तेज, आक्रामक और निर्णायक है। इसका शुभंकर भारतीय पौराणिक कथाओं के अमर भालू जाम्बवंत और रूसी राष्ट्रीय पशु यूरेशियन भूरे भालू की समानता से प्रेरित है। तमाल युद्धपोत का निर्माण रूस के कैलिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में हुआ है और इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी उपकरण हैं। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह आखिरी युद्धपोत है जो विदेश में बना है अब ऐसा कोई भी युद्धपोत भारत में ही बनेगा जिसके बाद भारत की नौसेना की शक्ति और बढ़ जाएगी। इस युद्धपोत के कुशल संचालन व रखरखाव के लिए 250 नौसेना कर्मियों ने रूस में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कठपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए।

-ललित गर्ग

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई।

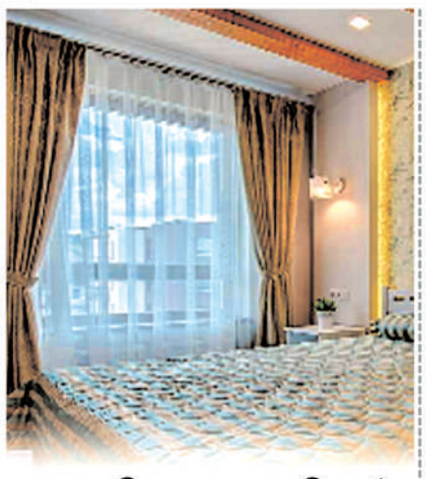

घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसे सजाएं खिड़कियां

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी चीजों की सजावट करते हैं लेकिन कई लोग खिड़की पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। खिड़कियां की साफ- सफाई के साथ इसकी सजावट करना भी काफी ज्यादा जरूरी हैं। अगर आप भी खिड़कियां की सजावट करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप इसकी सजावट कैसे कर सकती हैं।

खिड़कियां की सजावट करने से पहले आपको उसे अच्छे तरीके से साफ करना होगा। अगर आप अपने खिड़कियों की सजावट सही तरीके से करना चाहती हैं तो आपको खिड़की पर लगी धूल को साफ करना होगा। धूल निकालने के बाद आप इसे अच्छे तरीके से सजा सकती हैं।

स्टफ टॉयज का करें इस्तेमाल

अपनी खिड़की को सजाने के लिए आप चाहे तो स्टफ टॉयज का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके खिड़की पर जगह है तो आपको उस पर स्टफ टॉयज रखना होगा। स्टफ टॉयज देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

पौधे से करें सजावट

खिड़कियां अगर बड़ी है तो आपको अपने घर की खिड़कियों को सजाने के लिए हैंगिंग प्लांट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसकी मदद से आप अपने घर के खिड़कियों की मिनटों में सजावट कर सकती हैं। यह काफी ज्यादा खूबसूरत लगेगा।

कर्टेन सही चुनें

कर्टेन आपके घर की खिड़कियों की रौनक को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपको अपने घर के खिड़कियों की सजावट करने के लिए लाइट कलर के कर्टेन लगाने होगे। इसकी मदद से आप आसानी से अपने घर के खिड़कियों को सजा सकती हैं।

बरसात के मौसम में घर के फर्नीचर को सेफ रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम अपने साथ तरह-तरह की परेशानियां लेकर ही आता है। रोड पर जलजमाव के कारण कहीं आने-जाने में दिक्कत से लेकर घर की साफ-सफाई तक हर कुछ में इस दौरान समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसा ही एक दिक्कत घर में मौजूद फर्नीचर के साथ भी होता है। दरअसल, बरसात के दिनों में लकड़ी के फर्नीचर में भी नमी आ जाती है। यही नहीं, इसके कारण सड़न और दीमक लगने की भी संभावनाएं काफी बढ़ जाती है, लेकिन आपको अब ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आज एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान से टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप अपने काम को आसान बना सकते हैं।

फर्नीचर को ढक कर रखें

अगर यह खिड़की या बालकनी के पास रखी है तो आप अपने फर्नीचर ढक कर रख सकते हैं। इसके लिए प्लास्टिक शीट या वाटरप्रूफ कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने फर्नीचर को पानी और नमी से बचा सकते हैं। इसके अलावा, सोफों और कुर्सियों को फैब्रिक कवर से भी आप ढक सकते हैं।

अपने फर्नीचर को धूप में सुखाएं

फर्नीचर में नमी को बनने से रोकने के लिए संभव हो तो इसे धूप में जरूर सुखाएं। इससे पानी का असर फर्नीचर पर नहीं होगा और न ही इसमें दीमक आदि लगने की स्थिति बन पाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर को पेंट या पॉलिश करें

पानी और नमी से फर्नीचर को बचाने के लिए आप एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं। इससे फर्नीचर की चमक बरकरार रहेगी ही। साथ ही, बरसात में ये खराब होने से भी बच सकते हैं।

फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें

नम दीवारों से फर्नीचर में नमी आ सकती है। ऐसे में फर्नीचर और दीवारों के बीच थोड़ा गैप रखना जरूरी है। इसके अलावा, नमी के स्तर को कम करने और लकड़ी के फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए कमरे में डीह्यूमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं।

रबर पैड का करें इस्तेमाल

गंदे और गीले फर्श के साथ सीधे संपर्क में आने से फर्नीचर पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में आप अपने फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए पैरों के नीचे रबर पैड लगा सकते हैं।

फर्नीचर को कैसे रखें साफ?

- धूल और गंदगी को जमा होने से रोकने के लिए अपने फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- इसपर कवर, कोस्टर या पैड को बिछाकर रखें।
- अपने फर्नीचर को सीधे धूप से बचाएं।
- लकड़ी के फर्नीचर को महीने में एक बार घरेलू तरीके से जरूर पॉलिश करें।
- कपड़े के फर्नीचर को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते रहें।

बिना खर्च किए इस तरीके से बनाएं फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे

महंगे फर्नीचर की खास केयर की जरूरत होती है। इसके लिए बाजार में आपको यूं तो कई सारे प्रोडक्ट मिल जाएंगे। पर, आप चाहें तो केमिकल मुक्त घर पर ही क्लीनिंग स्प्रे तैयार कर सकती हैं।

फर्नीचर क्लीनर स्प्रे बनाने की सामग्री

1 कप सफेद सिरका, 2 कप पानी
2 चम्मच नींबू का रस
1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, स्प्रे बोतल

घर पर फर्नीचर क्लीनर कैसे बनाएं?

- फर्नीचर क्लीनर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका और पानी डालें। आप चाहें तो सिरके की जगह नींबू का रस भी डाल सकती हैं।
- अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल डालें। यह आपके फर्नीचर पर पॉलिश का काम करेगा।
- इसके बाद, बोतल को अच्छी तरह हिलाएं।
- बस लीजिए, आपका फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे तैयार है।
- फर्नीचर क्लीनर का कैसे करें इस्तेमाल?
- स्प्रे बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर मिक्स कर लें।
- इसके बाद, एक मुलायम कपड़े को इस स्प्रे से गीला करें।
- फर्नीचर की सतह को अच्छी तरह पोंछ लें।
- अगर दाग एक बार में न मिटे, तो इसे फिर से दोहराएं।
- आप इस स्प्रे को लकड़ी, प्लास्टिक, धातु और कांच सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर पर उपयोग कर सकते हैं।

फर्नीचर स्प्रे बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

- यदि आप एक स्ट्रॉन्ग क्लीनर चाहते हैं, तो आप सिरके की मात्रा को 1/2 कप तक बढ़ा सकते हैं।
- स्प्रे को सुगंधित बनाने के लिए आप नींबू का रस या चंदन के तेल की मात्रा को 20 बूंद तक डाल सकते हैं।
- यदि आप एक चमकदार फिनिशिंग चाहते हैं, तो ऑलिव ऑयल की मात्रा को भी 2 बड़े चम्मच तक बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

इन्वर्टर की बैटरी खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान वर्षों तक नहीं होगी खराब

अगर आप भी घर के लिए इन्वर्टर की बैटरी खरीदने जा रहे हैं तो उससे पहले इन बातों का ज़रूर ध्यान रखें।
दिन या रात में जब बिजली जाती है तो सबसे पहले ध्यान इन्वर्टर की तरफ जाता है। अगर इन्वर्टर ठीक है तो कई बात नहीं, लेकिन इन्वर्टर की बैटरी डाउन या ख़राब होती है तो अंधेरे में रहना पड़ता है। इसलिए इन्वर्टर की बैटरी सही खरीदना चाहिए। अगर आप भी इन्वर्टर के लिए बैटरी खरीदने जा रहे हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इन्वर्टर के लिए बैटरी कैसी होना चाहिए।

बैटरी लेने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इन्वर्टर के लिए बैटरी लेना कोइबदी बात नहीं है, लेकिन बैटरी लेने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देने की ज़रूरत है।
- सबसे पहले आपको यह तय करना है कि आपको कितने घंटे के लिए बैकअप चाहिए।
- आपके घर में लाइट कितनी बार जाती है और कितने देर के लिए जाती है। इसका पूरा अनुमान सेट करके आप आसानी से अच्छी बैटरी खरीद सकते हैं।
- जैसे-पूरे 24 घंटे में लगभग 3 घंटे के लिए बिजली जाती है उसके हिसाब से आप 75-80Ah (एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।
- अगर इससे कम या इससे अधिक समय के लिए बिजली जाती है तो आप समय के अनुसार एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।

अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें?

मार्केट में मौजूद इन्वर्टर बैटरियों में अच्छी बैटरी कैसे पहचाने ये बड़ा ही सवाल होता है। अगर आप भी इस सवाल में उलझे हुए कि अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें तो फिर आपको कुछ टिप्स को फॉलो करें की ज़रूरत है। जैसे-

- आपको बता दें कि मार्केट में लगभग 3 तरह की बैटरी सबसे अधिक चलती है। फ़्लैट बैटरी, नॉर्मल बैटरी और ट्यूबलर बैटरी अधिक चलती है।
- कई लोगों का मानना है कि ये तीनों बैटरी ही अपने स्थान पर है, लेकिन लॉन्ग लाइफ के लिए ट्यूबलर बैटरी अच्छी मानी जाती है। ट्यूबलर बैटरी अधिक समय तक चलती और कम समय में चार्ज भी हो जाती है। इसलिए आप आपने घर के लिए ट्यूबलर बैटरी खरीद सकते हैं।

फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी कैसी होती है?

यह तो आपको मालूम हो चुका होगा कि इन तीनों बैटरी में से ट्यूबलर बैटरी अच्छी होती है, लेकिन कई लोग फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल भी खरीद लेते हैं। ऐसे में इन दोनों बैटरी के बारे में आप भी जन लीजिए। कहा जाता है कि फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी में कई बार हीटिंग की समस्या होती है जिसके कारण वो जल्दी ख़राब भी हो जाती है। फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी अधिक समय तक नहीं चलती हैं और कई बार जल्दी ख़राब भी हो जाती हैं। इन दोनों बैटरी के साथ बैकअप की भी समस्या रहती हैं।

इन्वर्टर बैटरी की वारंटी और सर्विस चेक करें

इन्वर्टर बैटरी सेलेक्ट करने के बाद बैटरी की वारंटी देखना बहुत ज़रूरी होता है। कई बैटरी की वारंटी 1 साल या फिर 2 तक तक ही होती है, लेकिन अगर आप घर के लिए बैटरी खरीद रहे हैं तो कम से कम 5-7 साल तक की वारंटी वाली ही बैटरी खरीदें। इसके वाला सर्विस के बारे में भी चेक करना बहुत ज़रूरी है। जी हां, वारंटी के साथ सर्विस के बारे में भी ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी किसी वजह से खराब होती है और कंपनी फ्री मेंटेनेंस करती है। इसलिए इन्वर्टर के लिए बैटरी लेते समय वारंटी और सर्विस ज़रूर चेक करें।

बच्चों की स्टेशनरी अक्सर इधर-उधर फैली रहती है। ऐसे में उसे आर्गेनाइज करने के लिए स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद ली जा सकती है। आप इसे खुद घरेलू आइटम्स की मदद से तैयार कर सकते हैं।

बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

स्टेशनरी एक ऐसी चीज है, जो लगभग हर घर में होती ही है। जिन घरों में बच्चे होते हैं, वहां तो अक्सर पेन, पेंसिल या कलर आदि अक्सर इधर-उधर रखे हुए नजर आते हैं। अमूमन घरों में मम्मी ही स्टेशनरी को उठाकर बार-बार रखती रहती है। अगर आपके घर में भी ऐसा होता है तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्टेशनरी आर्गेनाइजर का इस्तेमाल करें। स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद से सभी तरह की स्टेशनरी को एक जगह आसानी से आर्गेनाइज करके रखा जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के अलग-अलग स्टेशनरी आर्गेनाइजर आसानी से मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे घर पर पुरानी आइटम्स की मदद से भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। घर पर स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि आप खुद ही एक यूनिक डिजाइन व साइज का स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाकर तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाने के तरीके के बारे में बता रहे हैं-

कार्डबोर्ड से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

- अगर आपके पास पुराने जूते के डिब्बे या कार्डबोर्ड हैं, तो आप उससे स्टेशनरी आर्गेनाइजर बना सकते हैं। आर्गेनाइजर बनाने के लिए कार्डबोर्ड बॉक्स को मनचाहे आकार में काटें। आप आर्गेनाइजर के अलग-अलग सेक्शन बनाने के लिए कार्डबोर्ड को नापकर काट लें।
- अब ग्लू या टेप का उपयोग करके उन्हें चिपका लें। सुनिश्चित करें कि वे मज़बूती से जुड़े हुए हैं। आप तैयार आर्गेनाइजर को डेकोरेटिव पेपर से ढक दें या फिर आप उन्हें पेंट भी कर सकते हैं। अब इसे सूखने दें और फिर तैयार आर्गेनाइजर में स्टेशनरी आइटम को अंदर रखें। पुरानी चीजों को इस्तेमाल करने का आसान तरीका है।

मेसन जार की मदद से बनाएं आर्गेनाइजर

- मेसन जार की मदद से भी स्टेशनरी आर्गेनाइजर तैयार किया जा सकता है। आप अलग-अलग मेसन जार को बतौर आर्गेनाइजर इस्तेमाल करें। इसके लिए आप मेसन जार लें। फिर उसे पेंट करें और सूखने दें। एक जार में सारी स्टेशनरी आर्गेनाइज करना संभव नहीं है, इसलिए आप अलग-अलग मेसन जार को पेंट करें।
- अब आप हर जार में लेबल लगाएं। अगर आपके पास स्पेस की कमी है और आप माउंटेड ऑर्गनाइज़र चाहते हैं, तो स्क्रू और ड्रिल का उपयोग करके लकड़ी के बोर्ड पर होज़ क्लैंप लगाएं। फिर, जार को क्लैंप में सुरक्षित करें। अपने स्टेशनरी आइटम को जार में रखें।

पुरानी प्लास्टिक बोतल से बनाएं आर्गेनाइजर

- घर में पुरानी प्लास्टिक की बोतल होना आम बात है। आप इसे भी बतौर स्टेशनरी आर्गेनाइजर काम में ला सकते हैं। यह इन बोतल को रिसाइकिल करने का एक बेहतरीन तरीका है। आर्गेनाइजर बनाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों के ऊपरी हिस्से को मनचाही ऊंचाई पर काटें। सुनिश्चित करें कि किनारे चिकने हों। अगर किनारे नुकीले होंगे तो इससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाएगा।
- अब बोतलों को पेंट करें या उन्हें डेकोरेटिव पेपर से कवर ककर दें। इसी तरह, आप आवश्यकतानुसार बोतलों को तैयार कर लें। इन्हें एक पैटर्न में अरेंज करें और फिर उन्हें गोंद या टेप से सिक्योर करें। आपका स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनकर तैयार है।

बलियरी में विस्फोस्ट से शहीद हुए श्रमिकों के स्मारक परर पुष्प अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

दो मिनट का मौन रख शहीद श्रमिको के आत्मा की शांति के लिए की गई प्रार्थना

सिंगरौली। औद्योगिक क्षेत्र बलियरी में 5 जुलाई, 2009 को हुये भीषण विस्फोसट हादसे में 22 श्रम सेवक शहीद हो गये थे । शहीद श्रम सेवकों को गनियारी प्लाजा के पास के स्थित स्मृईति स्मा रक पर सिंगरौली विधानसभा के विधायक रामनिवास शाह, महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री , नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा एवं विभिन्न औद्योगिक कम्पधनियों के प्रतिनिधियों के द्वारा शहीदों के स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्रद्धांजलि दी गई है । तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के आत्मा की शांति हेतु ईश्वतर से कमाना की गई ।

इस अवसर पर विधायक सिंगरौली श्री शाह ने श्रमिको श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हे याद किया। उन्होने कहा कि वो दिन अत्यन्त ही दुखद क्षण लेकर आया जब बलियरी विस्फोट मे हमारे 22 श्रमिक शहीद हो गये थे। ऐसी घटना दोबारा घटित न हो इसके लिए सभी कंम्पनियां सुरंक्षा व्यवस्था के संबंध मे विधिवत कार्यक्रमो आयोजन कर लोगो को जागरूक करे। समय समय पर अपने सुरक्षा व्यवस्था की जॉच करे। उन्होने कहा कि जिले मे स्थापित कम्पनियो सुरंक्षा नियमो का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करे। आज भी उस घटना को जिले के नागरिक भूल नही पाये है शहीद हुये श्रमिको के परिवारो से भेटकर उनके समस्याओ के संबध मे जानकारी लेकर उनका हर संभव मदद किया जाये।शहीद श्रमिको नमन करते हुयें महापौर ने कहा कि एक्सप्लोसिव की गाड़िया शहर के बीच से गुजरती है जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती समय समय पर इनकी सुरंक्षा जॉच की जाये। सभी कंम्पनियो मे निर्धारित गाईड लाईन के अनुसार सुरंक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा समय समय पर सुरंक्षा व्यवस्था की आडिट भी कराये।

कलेक्टर श्री शुक्ला ने शहीद श्रमिको को नमन करते हुये कहा कि सभी कंम्पनिया सुरंक्षा नियमो अधिनियमो का शत प्रतिशत पालन करे ताकि कोई भी दुर्घटना घटित न हो मै शहीद हुये श्रमिको को अंतरमन श्रद्धांजली अर्पित करता हू।उन्होने कहा कि जिस तरह से वाहन चलाते समय हेलमेट, बेल्ट से अपनी सुरंक्षा की जाती है उसी तरह से किसी भी कार्य सुरंक्षा अत्यन्त आवश्यक है। किसी भी दुर्घटना के होने पर अत्यन्त कष्ट होता है। सभी कम्पनियो को सुरंक्षा नियमो का पालन करना अनिवार्य है जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो इसके लिए कंम्पनियो के वरिष्ट अधिकारी सुरंक्षा नियमो की जॉच करे। साथ कहा गया कि जिला प्रशासन द्वारा भी समय समय पर औद्योगिक कम्पनियो की आकस्मिक रूप से सुरक्षा जॉच कराई जायेगी।इस अवसर पर नगर निगम के उपायुक्त आरपी बैस, समाजसेवी रतिभान प्रसाद, नगर निगम के सहायक यंत्री एस एन द्विवेदी, सहायक विधि अधिकारी अक्षत उपाध्याय , प्रभारी अधिकारी नवजीवन बिहार संतोष तिवारी, उपयंत्री अनुज सिंह, स्वच्छता निरीक्षक विशाल सोनी, एवं श्रम विभाग से श्रम अधिकारी एवं श्रमिको के परिजन एवं श्रमिक गण उपस्थित रहे।

सिंगरौली पुलिस ने थाना क्षेत्रों में निकाला फ्लैग मार्च

ड्रोन कैमरा, सीसीटीवी से संवेदनशील स्थानों पर की जा रही है निगरानी

सिंगरौली। आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए आज दिन शनिवार को पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन के मार्गदर्शन में शहरी क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला गया जो थाना बैढ़न, थाना विंध्यनगर, थाना नवानगर के क्षेत्रो में निकाला गया। इसी प्रकार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के मुख्य चौराहों, बाजार एवं संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च निकाला गया।

जिला मुख्यालय सहित जिले के संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरों तथा शहर के प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।सिंगरौली पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर भी बारीकी से नजर रखी जा रही है। सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के द्वारा जिले के सभी गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की पोस्ट जो सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ सकती हो ऐसी पोस्ट, शेयर, कमेंट न करें एवं इस प्रकार की संदिग्ध गतिविधि प्रकाश में आने पर तत्काल पुलिस कन्ट्रोल रूम सिंगरौली या पुलिस स्टेशन पर सूचित करें। शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था की दृढ़ स्थापना के लिए एसडीओपी कृष्ण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन पर निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह पर मोरवा बाजार समेत प्रमुख मार्गों, संवेदनशील चौक-चौराहों एवं मुहर्रम जुलूस मार्गों पर पुलिस बल के साथ कदम ताल किया गया। निरीक्षक ने बताया कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना का संचार करना, असामाजिक तत्वों में कानून का भय स्थापित करना एवं शांति-व्यवस्था के प्रति पुलिस प्रशासन की तत्परता को प्रदर्शित करना था।

एनसीसी कैडेट्स ने रची देश भक्ति से ओत-प्रोत द अनटोल्ड पुस्तक

शहडोल। पंड़ित शंभूनाथ विश्व विद्यालय शहडोल के एनसीसी कैडेट्स के युवाओ ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि उनमें न केवल राष्ट्र की सेवा का जज्बा है, बल्कि साहित्यिक अभिव्यक्ति की शक्ति भी है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के उत्साही कैडेट्स द्वारा लिखी गई पुस्तक द अनटोल्ड का गत दिवस विमोचन किया गया, जो देशभक्ति, समर्पण और अनुशासन की अनकही कहानियों का संग्रह है। इस पुस्तक में विभिन्न राज्यों के एनसीसी कैडेट्स ने अपने अनुभवों, राष्ट्र के प्रति निष्ठा, सामाजिक कार्यों में भागीदारी और चुनौतियों से जूझने की प्रेरक कहानियों को साझा किया है। द अनटोल्ड न केवल एनसीसी के प्रशिक्षण और अनुशासन को दर्शाती है, बल्कि युवाओं के दृष्टिकोण से देशभक्ति को भी नई परिभाषा देती है।

इस पहल का उद्देश्य न केवल पाठकों को प्रेरित करना है, बल्कि अन्य युवाओं को भी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। यह पुस्तक एक मिशन की तरह हैकृजिसमें हर कहानी एक नया संदेश और एक नई सोच लेकर आती है।

एनसीसी कैड्टेस के श्री गौरव मिश्रा ने बताया कि द अनटोल्ड पुस्तक में 1965 औश्र 1971 के युद्धो में एनसीसी कैडेट्स की भूमिका, उनकी वीरता, अनुषासन और समर्पण, 1948 से पहले के संघर्षों और विचारधाराओ, देषभक्ति के स्लोगन, देष के बलिदान हुए देष भक्तो आदि के बारे में समाहित किया गया है।

श्री राहुल सिंह ने बताया कि द अनटोल्ड पुस्तक में कैसे संकट के दौरान एनसीसी ने खुद की जान खतरे मे डालते हुए अपने आप को राष्ट्र के प्रती समर्पित कर दिया तथा देश के युवाओं को अनुशासन, सेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़े रखा साथ ही इस पुस्तक मे युद्ध के एक ऐसे वीर, निडर व साहसी एनसीसी कैडेट की शौर्यगाथा है समाहित है।

पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कर पानी को बनाया जा रहा सुरक्षित

शहडोल। जिले में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पेयजल स्रोतों का नियमित रूप से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले क्लोरीनेशन का कार्य किया जा रहा है। हैंडपंप, नलकूप, कुएं एवं टॉकियों में निर्धारित मात्रा में क्लोरीन का प्रयोग कर पानी को संक्रमण मुक्त किया जा रहा है। क्लोरीनेशन के माध्यम से जल में मौजूद हानिकारक जीवाणु एवं सूक्ष्मजीव नष्ट कर दिए जाते हैं, जिससे पानी पीने योग्य हो जाता है और जलजनित बीमारियों जैसे हैजा, डायरिया, टाइफाइड आदि की रोकथाम होती है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में सभी भागीदारी निभाएं : विश्वामित्र

सिंगरौली

5 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत जियावन थाना परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक ने वृक्षारोपण किया साथ ही उपखंड मजिस्टेट, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं उपस्थित अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में सभी लोगों को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। पेड़ से छाया ऑक्सीजन तो मिलती ही है, जल संरक्षण एवं संवर्धन में सहायक होने के साथ ही मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है पेड़ के बिना सुरक्षित मानव जीवन की परिकल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने अभियान के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व के महत्व को दर्शाता है। हम सभी को पेड़ लगाने और पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।इस अवसर पर अखिलेश कुमार सिंह एसडीएम देवसर, राहुल सैयाम एसडीओपी देवसर, कपूर त्रिपाठी टीआई थाना जियावन, प्रदीप सिंह नायब तहसीलदार देवसर, अखिलेश तिवारी उपयंत्री, राजमणि प्रजापति सरपंच नौढ़िया, रावेंद्र द्विवेदी सरपंच धनहां, वरुण द्विवेदी सरपंच सहुआर, शिवेश द्विवेदी, पंडित उपेंद्र शुक्ला सहित थाना के स्टाफ तथा गणमान्य जन उपस्थित रहे।

नारी सशक्तिकरण और जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण पत्र में मेरा नाम नहीं छपवाना नारी व जनजातीय समाज का अपमान : सोनम

कहा जिला प्रशासन और सत्ता में बैठे लोगों की शाजिस, यह अपमान छोटा नहीं, इसे जन-जन तक लें जाऊगी

सिंगरौली। जिला पंचायत सिंगरौली की अध्यक्ष सुश्री सोनम सिंह ने जिले के सरई में 4 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित नारी सशक्तिकरण और जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण पत्र में उनका नाम नहीं छापने को जिला प्रशासन और सत्ता के लोगों की साजिश करार दिया हैद्य जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री सोनम सिंह ने आज 5जुलाई की शाय एक होटल में प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मिडिया के पत्रकारों से कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आमंत्रण कार्ड में मेरा नाम नहीं मुद्रित कराना जिले की पूरी जनता, नारी व जनजातीय समाज की उपेक्षा है, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत के लोग व जनजातीय समाज के लोग गए होगे, जबकि मैं लोकतान्त्रिक माध्यम से निर्वाचित होकर आयी हूँ द्य जिपं अध्यक्ष सुश्री सोनम ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से सवाल करना चाहती हूँ कि आप प्रदेश की आम जनता

के मुख्यमंत्री है या किसी विशेष राजनीतिक दल के है द्य नारी सशक्तिकरण और जनजातीय गौरव दिवस के सम्मलेन में एक जनप्रतिनिधि, नारी व जनजातीय का अपमान क्यों किया गयाद्य उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे को मैं जिले की जनता की अदालत में लें जाऊगी साथ ही अपने पार्टी संगठन में भी उठाउंगीद्य जिससे आने वाले समय में किसी नारी का अपमान व उपेक्षा नहीं हो द्य इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य संदीप शाह, अशोक सिंह पैगाम ने भी इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन को राजनीति से ऊपर काम करना चाहिए जिससे आम लोगों में जिला प्रशासन के प्रति लोकतान्त्रिक विश्वास कायम रखा जा सकें। श्री पैगाम ने कहा कि सत्ता में बैठे भाजपा के लोग आदिवासियों का वोट की राजनीती के लिए दिखावा करते हैद्य इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य राय सिंह मरावी, श्रीमती सविता प्रजापति, जनपद सदस्य केशव सिंह, कांग्रेस नेता लवलेश सिंह, राघवेंद्र श्रीवास्तव मनखु, संगीता सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत सिंगरौली पुलिस ने किया वृक्षारोपण

थाना सरई, विंध्यनगर एवं गढ़वा में पौधारोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

सिंगरौली। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के नेतृत्व में हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 01 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक जिले के समस्त एसडीओपी कार्यालयों, थाना प्रांगणों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस लाइन परिसर में वृक्षारोपण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। हरियाली महोत्सव अभियान के अंतर्गत जिले के थाना सरई, थाना विंध्यनगर एवं थाना गढ़वा

में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को अपनाया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प लिया। इस अवसर पर नीम, पीपल, आम, शीशम, गुलमोहर, कदम्ब, जामुन, आंवला जैसे बहुपयोगी व पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया गया। साथ ही, लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा के लिए जिम्मेदारियां भी तय की गईं। इस अभियान का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता फैलाना एवं भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराना है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत सरई में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

प्राकृतिक संरक्षण व सहकारिता की भावना के साथ जनभागीदारी का अनुपम उदाहरण

सिंगरौली। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत शुक्रवार को बी पैक्स सरई (गोदाम) परिसर में भव्य सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सहकारी संस्थानों की सहभागिता को सशक्त बनाने हेतु आयोजित इस आयोजन में विभिन्न विभागों व सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में डीआर दीप्ति वनवासी, पीके मिश्रा, राधेश्याम गुप्ता, रामसखा शर्मा सहित नोडल अधिकारी गुंजारीलाल तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सरई शाखा प्रबंधक श्री तरुणेंद्र शेखर पाण्डेय

एवं समिति प्रबंधक आदित्य तिवारी के कुशल संयोजन में कार्यक्रम का संचालन हुआ। सिंगरौली जिले की सभी सहकारी समितियों के प्रबंधक भी इस अवसर पर सम्मिलित हुए।कार्यक्रम का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह पर्यावरणीय चेतना, सहकारिता की भावना और सतत विकास के प्रति जनसंपृक्ति को भी प्रकट करता रहा। अतिथियों ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सहकारिता को समाज के विकास का आधार बताते हुए, प्रकृति के संरक्षण में उसकी भूमिका को रेखांकित किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम ने जन-सहभागिता की शक्ति का परिचय देते हुए पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक सशक्त संदेश दिया।

नाबालिक रेप पीड़िता का आरोप, एफआईआर दर्ज करने के बाद भी पुलिस ने आरोपी को छोड़ा

आरोपी जान से मारने की दे रहा धमकी, घटना के चार दिन बाद दर्ज हुआ मामला

सिंगरौली। गढ़वा थाना के नौडिहवा चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक नाबालिक के साथ जबरन दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए उसे चार दिन तक इंतजार करना पड़ा।

आरोप ये भी है कि शुरू में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और थाने से ही छोड़ दिया. आरोपी के धमकी से परेशान नाबालिक अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच न्याय की गुहार लगा रही है।वहीं थाना प्रभारी विद्यावारिधि तिवारी से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनका फोन नहीं लगा। नाबालिक पीड़िता का आरोप है कि अपनी दादी के साथ वह प्रयागराज से वापस आ रही थी। जहां रास्ते में पिकअप से आ रहे आरोपी परमेश्वर जायसवाल उसे घर छोड़ने को कहकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। रात 10 बजे जब तमई के जंगल में पहुंची तो आरोपी ने गाड़ी में डीजल खत्म होने की बात कहते हुए जंगल में ही रोक दिया। वहीं पीड़िता की दादी को 300 रुपये देकर डीजल लेने के लिए भेज दिया। पीड़िता ने बताया कि दादी के जाते ही आरोपी ने उसके साथ गाड़ी में ही छेड़छाड़ करने लगा। जहां डर से पीड़िता गाड़ी से उतरी तो आरोपी गाड़ी से उतरते हुए लड़की के साथ जबरन बलात्कार की घटना को अंजाम दे दिया। नाबालिक पीड़िता अब दादी से अपनी आप बीती बताई। जिसके बाद पीड़िता के जान पहचान वाले नौडिहवा चौकी में बात किए। लेकिन चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों ने पीड़िता को चौकी में आने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि प्रभारी छुट्टी में थे। जिसके बाद 30 जून को पीड़िता अपने परिजनों के साथ चौकी पहुंची जहां से उसे गढ़वा थाने भेज दिया गया। जहां पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पीड़िता ने बताया कि शिकायत के बाद पुलिस उसे थाने में दो दिनों तक रखा लेकिन उसके बाद छोड़ दिया। अब आरोपी परमेश्वर जायसवाल मामले में पटाक्षेप करने का दबाव बनाने के साथ उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है।

बेबस लाचार हो गई नाबालिक पीड़िता

परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची नाबालिक रेप पीड़िता बेबस और लाचार नजर आई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया, 2 दिन से लगातार आरोपी घर में आकर कैस वापस लेने के साथ जान से मारने की धमकी दे रहा है। ऐसे में रेप पीड़िता की सुरक्षा और न्याय की मांग खतरे में पड़ गई है।

एएसपी ने कहा जल्द होगी गिरफ्तार

पीड़िता ने बताया कि परिजनों के साथ एएसपी से मुलाकात हुई है। उन्होंने भरोसा दिया है कि जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी होगी। लेकिन सवाल यह है कि आखिर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद क्यों छोड़ा। छोड़ने के पीछे वजह क्या रही यह बात पुलिस को स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को आवश्यक कदम भी उठाना चाहिए।

हुमा कुरैशी का दिखा डीजे वाला अंदाज

नाचते-गाते नजर आए लोग

वायरल वीडियो में हुमा कुरैशी एक डांस क्लब में नजर आ रही हैं। वह डीजे के साथ खड़ी हैं और लोग से कहती हैं, 'क्या आप तैयार हैं?' इस पर सामने मौजूद लोग भी शोर मचाते हैं और हुमा को अपनी रजामंदी देते हैं। इसके बाद वह फिल्म 'मालिक' का गाना 'दिल थामे के' डीजे से बजाने को कहती हैं। साथ ही डीजे के साथ ताल से ताल मिलती हैं। हुमा के वायरल वीडियो पर यूजर ने भी रिएक्ट किया है। एक यूजर ने लिखा, 'हुमा के स्टाइल, गाने में वाइब है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ऐसी डीजे चाहिए' और हार्ट इमोजी एक्ट्रेस के लिए बनाया।

जिस गाने को हुमा कुरैशी वायरल वीडियो में प्रमोट कर रही हैं, वह राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' का आइटम सॉन्ग है। इस गाने को हुमा कुरैशी ने किया है। इन दिनों हुमा कुरैशी का यह आइटम सॉन्ग खूब चर्चा में हैं। पिछले दिनों यह आइटम सॉन्ग सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग भी रहा।

जिस गाने को हुमा कुरैशी वायरल वीडियो में प्रमोट कर रही हैं, वह राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' का आइटम सॉन्ग है। इस गाने को हुमा कुरैशी ने किया है। इन दिनों हुमा कुरैशी का यह आइटम सॉन्ग खूब चर्चा में हैं। पिछले दिनों यह आइटम सॉन्ग सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग भी रहा। हाल ही में हुमा कुरैशी ने यह भी बताया कि 'दिल थामे के' आइटम सॉन्ग उन्होंने अपने दोस्तों के लिए किया है। इस गाने के लिए उन्होंने 16 घंटे शूटिंग की और एक भी पैसा नहीं लिया। दरअसल, फिल्म में राजकुमार राव लीड रोल में हैं, जो हुमा कुरैशी के अच्छे दोस्त हैं।

हाल ही में हुमा कुरैशी ने यह भी बताया कि 'दिल थामे के' आइटम सॉन्ग उन्होंने अपने दोस्तों के लिए किया है। इस गाने के लिए उन्होंने 16 घंटे शूटिंग की और एक भी पैसा नहीं लिया। दरअसल, फिल्म में राजकुमार राव लीड रोल में हैं, जो हुमा कुरैशी के अच्छे दोस्त हैं।

'मालिक' में आइटम डांस करने के अलावा हुमा कुरैशी फिल्म 'टॉक्सिक', 'पूजा मेरी जान' और 'गुलाबी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' एक कन्नड़ फिल्म है, जिसमें 'केजीएफ' फेम एक्टर यश लीड रोल में हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सास के साथ शेयर किया मजेदार किस्सा, बोलीं- मुझे यह मुश्किल लगता है

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस इन दिनों अपनी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें भी बाकी लोगों की तरह घर का एक काम सबसे कम पसंद है।

प्रियंका चोपड़ा ने पीपुल मैगजीन को बताया कि उन्हें कपड़े धोना बहुत मुश्किल लगता है। उन्होंने मजाक में कहा कि एक बार उन्होंने अपनी सास डेनिस मिलर-जोनस को कपड़े धोने के लिए मना लिया था। प्रियंका ने कहा, मैं इस्त्री और कपड़े समेट सकती हूं, लेकिन वॉशिंग मशीन के बटन और विकल्प मुझे उलझन में डालते हैं। मैंने अपनी सास से सीखने की कोशिश की, लेकिन आखिर में मैंने उनसे ही यह काम करवा लिया।

2018 में निक जोनस से शादी के बाद से प्रियंका अपनी सास के काफी करीब हैं। वह अपनी 3 साल की बेटी माल्टी मैरी के साथ पारिवारिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। प्रियंका ने बताया कि निक का परिवार 2000 में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता देख रहा था, जिसमें वह जीती थीं। उनकी सास ने कहा, मुझे याद है, मैंने तुम्हें टीवी पर देखा था। उस समय प्रियंका 17 साल की थीं और निक 7 साल के थे।

2018 में निक जोनस से शादी के बाद से प्रियंका अपनी सास के काफी करीब हैं। वह अपनी 3 साल की बेटी माल्टी मैरी के साथ पारिवारिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। प्रियंका ने बताया कि निक का परिवार 2000 में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता देख रहा था, जिसमें वह जीती थीं। उनकी सास ने कहा, मुझे याद है, मैंने तुम्हें टीवी पर देखा था। उस समय प्रियंका 17 साल की थीं और निक 7 साल के थे।

प्रियंका हेड्स ऑफ स्टेट एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जो 2 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा जॉन सीना और इदरीस एल्बा भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। प्रियंका जल्द ही द ब्लफ और जजमेंट डे में नजर आएंगी, जिसमें वह जैक एफ्रॉन और विल फेरेल के साथ नजर आएंगे।

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट, फिल्म में शामिल होंगे कोरियन अभिनेता

फिल्म स्पिरिट का प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। फिल्म की शूटिंग सितंबर में शूटिंग शुरू हो सकती है। चर्चा है कि साउथ कोरियाई स्टार मा डोंग-सोक (डॉन ली) फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं। 123 तेलेगु डॉट कॉम के अनुसार, हाल ही में अभिनेता तरुण और श्रीकांत मेका की डॉन ली के साथ तस्वीरों ने इन अटकलों को और हवा दी है। इन तस्वीरों ने फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी है और वे यह जानने को बेताब हैं कि पर्दे के पीछे क्या चल रहा है। जल्द ही कलाकारों की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट की स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने और संगीत पर काम कर रहे हैं। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने मुख्य भूमिका में दीपिका पादुकोण की जगह ली है। यह फिल्म टी-सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स के बैनर तले बड़े बजट में बन रही है। संगीतकार हर्षवर्धन रामेश्वर भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। स्पिरिट को भारत और विदेशों में रिलीज करने की तैयारी है। स्पिरिट के अलावा प्रभास हॉरर फिल्म द राजा साब में नजर आएंगे। द राजा साब मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। इसे पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। प्रभास के अलावा फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कुकिंग मास्टर बनीं परिणीति चोपड़ा, फैंस की डिमांड पर शेयर की दाल पराठे की स्पेशल रेसिपी

परिणीति चोपड़ा की अभिनय प्रतिभा से दर्शक वाकिफ हैं। उन्होंने लेडीज वर्सेस रिकी बहल से इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद कई दमदार फिल्मों में काम किया है। परिणीति कुकिंग में भी माहिर हैं। इसकी झलक उन्होंने आज सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शेयर की है।

परिणीति चोपड़ा ने स्पेशल दाल पराठा बनाया है। फैंस की गुजारिश पर उन्होंने इसकी रेसिपी भी शेयर की है। परिणीति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। इसमें प्लेट में पराठे रखे हैं। परिणीति ने इसके साथ लिखा है, बहुत सारी गुजारिशों के बाद रेसिपी हाजिर है।

परिणीति ने आगे लिखा है, कल की बची हुई दाल को आटे के साथ मिलाएं। पानी नहीं डालना है। इससे आटा तैयार करें और पराठे बनाइए। परिणीति ने बताया कि दाल पराठा उनका फेवरेट है। अभिनेत्री ने फैंस से पूछा है, और किसको दाल पराठा पसंद है?

परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपनी आगामी सीरीज की तैयारियों में व्यस्त हैं। वे एक्शन थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके जरिए परिणीति ओटीटी सीरीज में पहली बार काम कर रही हैं। रेंसिल डिसिल्वा द्वारा निर्देशित इस सीरीज में परिणीति के अलावा सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी और ताहिर राज भसीन नजर आएंगे। इस साल फरवरी में सीरीज का एलान किया गया था।

परिणीति चोपड़ा को आखिरी बार निर्देशक इम्तियाज अली की बायोग्राफिकल फिल्म अमर सिंह चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में परिणीति और दिलजीत के काम की जमकर तारीफ हुई थी। पर्सनल लाइफ की बात करें तो परिणीति ने पॉलिटीशियन राघव चड्ढा से शादी रचाई है।

सिद्धार्थ ने शेरशाह विक्रम बत्रा की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें किया सलाम, लिखा भावुक नोट

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर आज कैप्टन बत्रा की कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, कैप्टन विक्रम बत्रा, आपकी कहानी हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी। हमें सच्ची ताकत का मतलब बताने के लिए आपका धन्यवाद। आज हम आपको याद कर रहे हैं, उस दिन जब आपने देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। एक्टर अरुण देव यादव ने लाल दिल रंग का इमोजी बनाया है। कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर ने नमस्ते वाला इमोजी बनाया है।

कैप्टन विक्रम बत्रा 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के युद्ध के दौरान शहीद हुए थे। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने आज कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा की 26वीं पुण्यतिथि पर उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं और साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर आज कैप्टन बत्रा की कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, कैप्टन विक्रम बत्रा, आपकी कहानी हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी। हमें सच्ची ताकत का मतलब बताने के लिए आपका धन्यवाद। आज हम आपको याद कर रहे हैं, उस दिन जब आपने देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। एक्टर अरुण देव यादव ने लाल दिल रंग का इमोजी बनाया है। कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर ने नमस्ते वाला इमोजी बनाया है। एक फैन ने लिखा, मैं आज शेरशाह फिर से देख रहा था, आपने विक्रम बत्रा सिड के रूप में कमाल कर दिया, एक और फैन ने लिखा, ये दिल मांगे मोर, एक और फैन ने लिखा, सम्मान, एक और फैन ने लिखा, जिस तरह से आपने उसे स्क्रीन पर दिखाया वह बहुत ही अद्भुत था, उसे निश्चित रूप से आप पर गर्व है, सिड, एक और फैन ने लिखा, जय हिंद जय भारत। कैप्टन विक्रम बत्रा ने 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की 13वीं जाकरिफ रेजिमेंट का नेतृत्व किया। 7 जुलाई 1999 को, 24 साल की उम्र में, पाकिस्तानी सैनिकों से लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र, भारत का सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता सम्मान, दिया गया। फिल्म शेरशाह की बात करें तो, इसे विष्णु वर्धन ने निर्देशित किया और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने समर्थन दिया।

बिनेका रेंज के रेंजर टी आर गुलस्ते को भावभीनी विदाई

अनवर आजाद, सुल्तानपुर

बिनेका रेंज के रेंजर को भावभीनी विदाई दी गई टी आर कुलस्ते ने 6 वर्ष तक बिनेका जैसी रेंज में रहकर जो मान और सम्मान कमाया वह किसी से छुपा नहीं है इसलिए उनके कार्यकाल को 6 साल बेमिसाल का रूप दिया गया कुशल व्यवहार सादगी के धनी कुलस्ते ने बिनेका रेंज ही नहीं अपितू पूरे डिवीजन में अपने व्यवहार और सहजता का परचम लहरा दिया।

वैसे तो कुलस्ते डिवीजन में 8 साल सेवा की अपने मधुर व्यवहार के दम पर जब वह विदा हो रहे थे तब लोगों के आंखें नम हो गई थी।

कुलस्ते का स्थानांतरण रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर में हुआ इस अवसर पर राता पानी अधीक्षक सुनील भारद्वाज द्वारा उनके उनके जीवन पर प्रकाश डाला बरखेड़ा रेंजर विकास सुलिया प्रशांत खरे रेंजर देहलाबाड़ी ने भी कुलस्ते के कार्य प्रणाली की प्रशंसा की सेवानिवरत रेंजर जेपी बर्मन जयराम प्रभाकर ने उनके जीवन की मंगल कामना की।

कुलस्ते जी के चाहने वालों में मुजीबुर रहमान जसपाल राणा देवेंद्र रावत डिप्टी सरदार सिंह मालवीय पवन साहू निकल तिवारी सौरभ शर्मा चंद्रशेखर लोधी रोहित श्रीवास्तव अजय साहू अखिलेश चौधरी अनिल मिश्रा सुधीर नेमा निशिकांत ठाकरे राजवीर सिंह रामस्वरूप इब्ने सरदार सिंह वरकरें राजाराम पप्पू कुमरे पिपलिया गोली विष्णु ज्ञानी बदामी लाल मास्टर नीलगढ़ हर्ष चंदेवा पूर्व सरपंच खन्ना राम नायक कैलाश चंद मालवीय प्रेम सरेआम मुंशीलाल भील अशोक वर्मा हेमराज चौहान श्रीमती सीमा राजगोड श्रीमती भारतीय लोधी जयशंकर मिश्रा दीप कुमार चतुर्वेदी सुशील शुक्ला हृदय लाल शुक्ला आपका व्यक्तित्व मृदभाषी जैसे बनारस मथुरा वृंदावन और काशी कार्यक्रम का सफल संचालन डिप्टी रेंजर राजकुमार भाल्लवी युवा तेजतरॉट वनपाल सूरज सिंह द्वारा किया गया।

सुल्तानपुर बिनेका रेंज के रेंजर श्री टी आर कुलस्ते जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए अधिकारी एवं कर्मचारी साथ में रेंजर प्रशांत खरे रघुराज मालवीय वन रक्षक राजू बरकरें शिक्षक भी पूर्व सरपंच जफ्फू खान दिखाई दे रहे हैं कैलाश चंद मालवीय प्रेम सरेआम मुंशीलाल भील अशोक वर्मा हेमराज चौहान श्रीमती सीमा राजगोड श्रीमती भारतीय लोधी जयशंकर मिश्रा दीप कुमार चतुर्वेदी सुशील शुक्ला हृदय लाल शुक्ला आपका व्यक्तित्व मृदभाषी जैसे बनारस मथुरा वृंदावन और काशी कार्यक्रम का सफल संचालन डिप्टी रेंजर राजकुमार भाल्लवी युवा तेजतरॉट वनपाल सूरज सिंह द्वारा किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने साइन की टैरिफ की चिट्ठी, आज होगी जारी, क्या भारत से हो पाएगी ट्रेड डील

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने 12 देशों से एक्सपोर्ट पर प्रस्तावित टैरिफ लेवल्स वाले लेटर्स साइन किये हैं। ये लेटर सोमवार को इन देशों को भेज दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये ऑफर्स नॉन-नेगोशिएबल होंगे। अमेरिकी ट्रेडिंग पार्टनर्स के साथ यह टेक इट आर लीव इट वाला प्रस्ताव है। रिपोर्टर्स के साथ बात करते हुए ट्रंप ने उन देशों का नाम बताने से मना कर दिया जिन्हें ये लेटर भेजे जाने वाले है। उन्होंने कहा कि उनके नाम सोमवार को जारी किये जाएंगे। उन्होंने रिपोर्टर्स से कहा, मैंने कुछ लेटर्स साइन किये हैं और वे सोमवार को जारी होंगे। ये संभवतया 12 है। डिफरेंट अमाउंट्स ऑफ मनी, डिफरेंट अमाउंट ऑफ टैरिफ। इस हफ्ते के शुरुआत में ट्रंप ने संकेत दिया था कि लेटर्स का पहला बैच शुक्रवार को जारी किया जाएगा। लेकिन इस दिन अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश था, इसलिए समय को बदल दिया गया है। अब ये सोमवार को जारी होंगे।

मिनी-व्यापार सौदे पर ले सकते हैं अंतिम निर्णय

अमेरिकी रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडिया और यूएस अगले 24 से 48 घंटों के भीतर मिनी-व्यापार सौदे अंतिम निर्णय ले सकते है। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली मिनी ट्रेड डील की खबरों के बीच अमेरिका के ट्रैजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने अन्य देशों के साथ अमेरिकी ट्रेड डील के बारे में बात की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुरुआत में उच्च दरों के टैरिफ लगाने के बाद देशों को 9 जुलाई तक के लिए राहत दी थी। डेडलाइन के आने के पहले हम कई देशों के साथ व्यापार समझौते के करीब पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में आपको कई बड़ी घोषणाएं सुनने को मिलेंगी। बेसेंट ने कहा, बड़े देशों के अलावा ट्रंप प्रशासन उन छोटे 100 देशों को भी टैरिफ से जुड़े पत्र भेजेगा, जिनके साथ अमेरिका का ज्यादा व्यापार नहीं है। हम उन्हें यह बताएंगे कि निर्धारित उच्च टैरिफ्स का सामना करना पड़ेगा। बेसेंट ने कहा, हमारे बड़े व्यापारिक साझेदारों को राष्ट्रपति ट्रंप पत्र लिखकर यह समझाएंगे कि अगर आप अमेरिकी हितों को ध्यान में रखकर चीजों पर आगे नहीं बढ़ते हैं तो फिर 1 अगस्त से लगने वाले टैरिफ भी 2 अप्रैल के टैरिफ वाले स्तर पर पहुंच जाएंगे।

प्राइम डे से पहले अमेजन ब्यूटीवर्स 2025 में सौंदर्य प्रेमियों का संगम

मुंबई। अमेजन इंडिया ने आज मुंबई को सौंदर्य नवाचार का केंद्र बना दिया, जहां अमेजन ब्यूटीवर्स के दूसरे एडिशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेबेलिन द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसमें बेला वीटा, विशकेयर और एक्सिस-वाई सहयोगी ब्रांड्स के रूप में शामिल थे। प्राइम डे 2025 (12 से 14 जुलाई) से पहले आयोजित इस विशेष इनवाइट-ओनली इवेंट में 600 से अधिक ब्यूटी प्रेमियों को एक ही छत के नीचे आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें विभिन्न वर्कशॉप्स और इंटरएक्टिव सत्रों के जरिए एक शानदार सौंदर्य अनुभव प्राप्त हुआ। इस इवेंट की शोभा बढ़ाई बॉलीवुड की नामचीन हस्तियों, भूमि पेडनेकर, नीना गुप्ता, कृति सेनन और सुशांत दिवगिकर आदि ने। इनके साथ-साथ अमेजन प्राइम सदस्य, कंटेंट क्रिएटर्स और सौंदर्य उद्योग से जुड़े अग्रणी विशेषज्ञ भी शामिल हुए।इस दौरान उपस्थित लोगों को हाइफन, सेरा वी, लेनीज, टीएफआईटी, मिलानी, रियल टेक्नीक्स, नॉटिका फॉर हर, लामेल और अन्य प्रमुख ब्यूटी ब्रांड्स के नए प्रोडक्ट लॉन्च की पहली झलक भी देखने को मिली। अमेजन ब्यूटी इंडिया के डायरेक्टर सिद्धार्थ भगत ने कहा, ÷हम अमेजन ब्यूटीवर्स 2025 को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं, यह एक विशेष आयोजन है जो प्राइम सदस्यों और अमेजन इन्फ्लुएंसर्स के लिए सौंदर्य की खोज के अनुभव को नए रूप में प्रस्तुत करता है।

अमेज़न.इन पर प्राइम डे के दौरान अपने घर, रसोई और आउटडोर जीवनशैली को करें तरोताज़ा

अमेज़न। .इन एक बार फिर लेकर आया है अपना नौवां प्राइम डे, जो 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक चलेगा। अपने घर को दीजिए एक नया लुक, टॉप ब्रांड्स जैसे हार्ले डेविडसन, यूरेका, बॉश और अन्य के होम, किचन और आउटडोर प्रोडक्ट्स के नए लॉन्च के साथ। स्मार्ट होम सोल्यूशन्स और मोटरबाइक्स से लेकर फर्नीचर तक, ग्राहक आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक ट्रांजैक्शन्स पर 10प्रतिशत का इंस्टेंट डिस्काउंट भी प्राप्त कर सकते हैं।मोटरबाइक्स और आउटडोर्स से जुड़े टॉप ब्रांड्स के नए लॉन्च एक्सप्लोर करें-कैंबियो बाय एवन-चाहे आप शहर की सड़कों पर क्रूज़ कर रहे हों या ट्रेल के लिए ट्रेनिंग, कैंबियो की हाई-परफॉर्मेंस साइकिलें और गियर मजबूती, सटीकता और स्टाइल का बेहतरीन मेल हैं।

इस प्राइम डे, अमेजन फैशन और ब्यूटी के साथ हर लम्हा बनाएं खास और स्टाइलिश

बेंगलुरु। प्राइम डे एक बार फफर वापस आ गयाँ, और इस बार यि पिले से भी बडा, बेंतिर और ज्यादा फैशनेबलाँ! 12 जुलाई से 14 जुलाई तक, अमेजन प्राइम मेंबसब को समलेगा 72 घंटे तक फैशन और ब्यूटी की लगातार खोज का मौका। अब फैशन फोमो निंीं, यिाँ वि पल जब आप अपनी वॉडबरोब को ररफ्रेश करें, ब्यूटी कैबबनेट को फफर से भरें औरर र हदन को एक स्टाइल स्टेटमेंट बनाएं। चाँ आप ट्रेंड्स के पीछे भागतेी ं, समझदारी से खरीदारी करने वालेी ं या बेंतिरीन डील्स के शौकीनी ं, अमेजन फैशन और ब्यूटी मेंर र फकसी के सलए कुछ न कुछ खासाँ। यिां समलेगा आपको ढेरों ववकल्प, बेंतिरीन कीमतें, तेज डडलीवरी और आसान ररटनब जैसी सुववधा। ग्राकि यिां कैरटलेन, लैवी ससग्नेचर, अबबन जंगल, ससंबॉल प्रीससमयम, टाइटन रागा जैसे टॉप बंड्स से नए स्टाइल्स, प्रीससमयम एक्टसेसरीज़, ट्रेंडडंग लुक्टस और नए रोमांचक प्रोडक्टट लॉन्च का भी आनंद ले सकतेाँ। इस साल प्राइम डे पर गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी की खास नई रेंज भी लॉन्चि ीरिाँ, जजसमें कैरटलेन जैसे बंड्स के नाजुक स्टैकेबल्स और रोज़ाना पिनने लायक शानदार डडज़ाइन्स शासमलाँ। मॉनसून शॉवपंग को और आसान बनाने के सलए एक खास ÷मॉनसून स्टोर÷ भी तैयार फकया गया

पटना में सनातन महाकुंभ में बोले पंडित धीरेंद्र शास्त्री- अगर हमारे धर्म पर हमला हुआ, तो हम देंगे जवाब

पटना। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को सनातन महाकुम्भ का आयोजन हुआ। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। शास्त्री ने

कहा, ÷बिहार पहला राज्य होगा जो हिंदू राष्ट्र बनेगा। उन्होंने यह भी कहा, पटना दोबारा आना था, पिछली बार सुरक्षा कारणों से अनुमति नहीं मिली थी।÷ शास्त्री ने आगे कहा, सनातन का मतलब है पूरे विश्व का गुरु। हम सब हिंदू एक हैं।÷महाकुंभ के मंच से बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दावा किया कि हिंदू राष्ट्र की नींव बिहार से रखी जाएगी। उन्होंने कहा, अगर हमारे धर्म पर हमला होगा, तो हम प्रतिघात करेंगे। भगवा गजवा-ए-हिंद की शुरुआत बिहार से होगी। शास्त्री का यह बयान बिहार विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नई राजनीतिक दिशा का संकेत दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह धर्म के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि राम नीति को फैलाने आए हैं।धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वर्तमान में भाषा और क्षेत्रवाद की लड़ाई चल रही है, लेकिन हिंदुओं को बंटने नहीं देना है। उन्होंने कहा, कुछ ताकतें गजवा-ए-हिंद बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा सपना भगवा-ए-हिंद होना चाहिए। शास्त्री ने यह भी कहा, हमें विरोधियों से कोई दिक्कत नहीं है, हमें उन हिंदुओं से दिक्कत है जो जाति के नाम पर लड़ाते हैं। हम किसी पालकी के नहीं हैं, जहां-जहां हिंदू हैं, हम वहीं हैं। इस कार्यक्रम में स्वामी रामभद्राचार्य भी शामिल हुए। उन्होंने कहा, जहां देखो वहां तनाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है। हमें निर्भय होकर अखंड हिंदू धर्म के पथ पर चलते रहना चाहिए।स्वामी ने यह भी कहा, वह भारत में राज करेगा जो वंदे मातरम कहेगा। जैसे राम मंदिर बना, वैसे ही सीतामढ़ी में सीता मंदिर बनेगा।

जन्मजयंती पर डॉ मुखर्जी को किया नमन

अखंड भारत के लिए डॉ मुखर्जी का बलिदान अतुलनीय है : विवेक चंद्रवंशी

जुन्नारदेव – भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती भाजपा नगर मंडल जुन्नारदेव ने शहर के पुराने बस स्टॉप पर प्रतिष्ठित डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा ओर उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण ओर पूजन कर मनाया। इस दौरान भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव ने डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भारत मां का सच्चा सपूत बताया,नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे ने डॉ मुखर्जी से प्रेरणा लेकर देश की अखंडता बनाए

रखने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की बात कही।भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी ने डॉ मुखर्जी के द्वारा अखण्ड भारत के लिए दिए बलिदान अतुलनीय बताते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर सेन,विष्णु शर्मा,मंडल महामंत्री अनिरुद्ध चटर्जी,सीपी शर्मा, राजेंद्र सूर्यवंशी, अमित यादव, प्रमोद बंदेवार, नितिन स्वामीनानी,विशेष चौरसिया, नितेश राजपूत, शरद कुरोलिया, राजेश कौशल,जितेंद्र माहोरे, ए.एस चौहान, राजेंद्र यादव,रोहित मिश्रा,बंटी सरदार, भूपेंद्र साहू, अभिषेक पारे, अभिषेक चौरसिया, धन्नू नामदेव, सीमा पवार,विपिन बिन्दवारी, कपिल शुक्ला, बलिराम साहू, मयंक साहू,सहित भाजपा के नेता,पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि सहित भाजपा के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बालाघाट, उमरिया, मंडला समेत इन जिलों में बंद रहेंगे स्कूल, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश में भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। इसके चलते कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। उमरिया में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्यप्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। बारिश के चलते कई जिलों में स्कूलों और अन्य सरकारी संस्थानों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है।

जबलपुर में 7 और 8 जुलाई को स्कूलों में छुट्टी जबलपुर में भारी बारिश के कारण हालात खराब हो गए हैं। बरगी डैम के नौ गेट खोलने के बाद जलस्तर में वृद्धि हो गई, जिससे शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। कलेक्टर ने छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 7 और 8 जुलाई को सभी स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी किया है। प्रशासन ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

दमोह में भी बारिश के कारण सोमवार 7 जुलाई को सभी सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी की घोषणा की गई है। कलेक्टर ने इस आदेश के तहत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को स्कूलों में उपस्थित रहने के लिए कहा है, जबकि विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा।

जबलपुर और बालाघाट में 7-8 और दमोह में 7 जुलाई को स्कूल बंद रहेंगे, कलेक्टर ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आदेश जारी किए हैं।

उमरिया में रेड अलर्ट जारी किया गया है और 7-8 जुलाई को स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। मंडला जिले में 7 से 10 जुलाई तक आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी की घोषणा की गई है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जबलपुर, दमोह, उमरिया, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, कटनी उमरिया जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। कलेक्टर ने 7 और 8 जुलाई को जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। यहाँ पर भी नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ चुका है, जिससे इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।मंडला में 7 जुलाई से 10 जुलाई तक आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियाँ घोषित की गई हैं।

भारी बारिश के कारण बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कलेक्टर ने इस आदेश को लागू करने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थाओं में भी छुट्टीः बालाघाट में भी कलेक्टर ने 7 और 8 जुलाई को जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। डिंडौरी में भारी वर्षा के चलते 7 जुलाई को स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित इसके अलावा कटनी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने भी जिले में स्थित सभी आंगनवाड़ी केंद्रों , सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में बच्चों के लिए सोमवार सात जुलाई को अवकाश घोषित कर दिया गया है।

भारी बारिश से प्रभावित जिलों की स्थिति

मध्यप्रदेश में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कें जलमग्न हैं और कई जगहों पर घरों में पानी घुस चुका है। नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक और भारी बारिश की संभावना जताई है।

कृषि महाविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत लाने की कवायद

सिरोंज। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने आज गंजबासौदा प्रवास के दौरान कृषि महाविद्यालय के कार्यों समीक्षा की गई।केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने बासौदा कृषि महाविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत लाने की कवायद को आश्वस्त कराते हुए कहा महाविद्यालय को जल्दी ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से एक टीम को अवलोकन हेतु गंज बासौदा कृषि महाविद्यालय में भेजा जाएगा। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह चौहान ने महाविद्यालय की विकास हेतु केंद्रीय निधि से राशि देने का आश्वासन देते हुए कहा कि महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु अतिरिक्त फंड की व्यवस्था की जाएगी।महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद किया एवं महाविद्यालय में किया जा रहे गतिविधियों की प्रशंसा की उन्होंने महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का भी अवलोकन किया है। समीक्षा बैठक की शुरुआत महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने महाविद्यालय में की जा रही गतिविधियों के संबंध में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए की गई थी। केन्द्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान का महाविद्यालय में पहुंचने पर सबसे पहले महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा गॉड आफ ऑनर दिया गया। इसके पश्चात् परिसर में पीपल के पौधे का रोपण कर पौधरोपण हेतु अभिप्रेरित किया है।

सीजन में पहली बार बरगी बांध के 9 गेट खुले, छोड़ा जा रहा 52 हजार 195 क्यूसेक पानी

जबलपुर। रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने इस सीजन में पहली बार आज रविवार को दोपहर लगभग 12 बजे इसके 21 में से 9 स्पिल-वे गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोल दिये गये हैं और इनसे 52 हजार 195 क्यूसेक (घनफुट पानी प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री बरगी बांध राजेश सिंह गौंड के अनुसार खोले गये नौ गेट में से गेट नम्बर दस, ग्यारह और बारह को दो-दो मीटर, गेट नम्बर नौ और तेरह को डेढ़-डेढ़ मीटर, गेट नम्बर आठ और चौदह को एक-एक मीटर तथा गेट नम्बर सात और पंद्रह को आधा-आधा मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है। उन्होंने बताया कि बांध में आवक को देखते हुये कभी भी इससे पानी निकासी की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री बरगी बांध के मुताबिक रविवार को दोपहर ग्यारह बजे बांध का जल स्तर 417.40 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय इसमें लगभग 98 हजार 741 क्युसेक पानी प्रवेश कर रहा था। उन्होंने बाँध के निचले क्षेत्र के निवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील करते हुये बताया कि बांध से पानी छोड़ने से नर्मदा नदी का जलस्तर चार से पांच फुट तक बढ़ सकता है। बांध का पूर्ण जल भराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक इसका जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है।

सभी बूथ लेवल अधिकारी प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण करें जिले की 06 विधानसभाओं के लिए बीएलओ का प्रशिक्षण प्रारंभ

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 07 जुलाई से 13 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें मुरैना जिले की 06 विधानसभाओं के लिए यह प्रशिक्षण अम्बाह, सबलगढ़, जौरा के अलावा सुमावली, मुरैना और दिमनी का प्रशिक्षण पॉलीटेक्निक कॉलेज में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण को सभी बीएलओ गंभीरता के साथ ग्रहण करें, ताकि आने वाले समय में किसी प्रकार की त्रुटि न हो सके। यह बात उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सीबी प्रसाद ने पॉलीटेक्निक कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ से कही। इस अवसर पर सुपरवाइजर और बीएलओ उपस्थित थे। सुमावली, मुरैना और दिमनी विधानसभा क्षेत्र के लिए मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पॉलीटेक्निक कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान बताया कि बीएलओ किसी भी कार्य में जानबूझकर गलती न करें, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा

32 के तहत जानबूझकर गलती करने की सजा है। जिसमें जुर्माना सहित कम से कम तीन माह का कारावास जिसे दो साल तक की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है और जुर्माने से भी दंडित होगा। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि बीएलओ, ईआरओ, एईआरओ के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के तहत उसे आवंटित भाग/मतदान केन्द्र की निर्वाचक नामावली को अद्यतन या अपडेट करना रहेगा। निर्वाचक नामावली में बताये गये क्षेत्र/भाग का बीएलओ भ्रमण करेगा, यह सुनिश्चित करेगा कि उसे जो निर्वाचक नामावली मिली है, वह प्रचलित निर्वाचक नामावली है। निर्वाचक नामावली से संबंधित क्षेत्र, भाग में आवंटित सेक्सशन, मोहल्लों और आवंटित निर्वाचकों की जानकारी है। कोई भी पात्र नागरिक मतदाता, निर्वाचक नामावली में शामिल होने से वंचित न रहे और निर्वाचक नामावली में गलत व अपात्र लोगों के नाम शामिल न रहें। मतदाता की आयु 18 वर्ष है। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि भारत का संविधान अनुच्छेद 326, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 16,19 तथा 20 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1960 का नियम 5,6 एवं 7 रहेगा। बीएलओ प्रत्येक घर का दौरा करेंगे और प्रत्येक विद्यमान मतदाता को गणना फार्म की दो प्रतियां वितरित कर फार्म भरने में मतदाता का मार्गदर्शन करेंगे। दौरे के समय दि कोई घर बंद या ताला लगा हुआ मिलता है तो बीएलओ गणना फार्म को घर के दरवाजे से अंदर डाल देगा।

ऐसी स्थितियों में बीएलओ को कम से कम तीन बार दौरा कर भरे हुए फार्म प्राप्त करने होंगे। बीएलओ मतदाताओं एवं जनसामान्य को यह भी सूचित करेंगे कि मतदाता ऑनलाइन मोड बेवसाइट से भी गणना फार्म डाउनलोड कर सकते है। भरे हुए फार्म आवश्यक स्व सत्यापित दस्तावेजों सहित अपलोड कर सकते है। इसी प्रकार प्रशिक्षण सबलगढ़ में नेहरू डिग्री कॉलेज सबलगढ़, जौरा में शासकीय महाविद्यालय जौरा और अम्बाह में पीजी कॉलेज अम्बाह में दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सभी विधानसभाओं के 50-50 बीएलओ को दिया जा रहा है। इसी प्रकार 13 जुलाई तक यह प्रशिक्षण दिये जायेंगे।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)